दैनिक
लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-159 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 4 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

सीएम बोले-अधिकारी समय पर ऑफिस आएं, केन-मंदाकिनी नदी जोड़ों पर यूपी सरकार से होगी मीटिंग

देर से दफ्तर आने वालों पर एक्शन लेगी सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए मंत्रालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार ने कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहने की व्यवस्था निर्धारित कर दी है, तो उसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति और रवानगी दर्ज करने के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस की व्यवस्था की जाए। आवश्यकता पड़ने पर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए।

बड़े मंदिरों में होमगार्ड की नियुक्ति

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में महाकालेश्वर मंदिर की तर्ज पर होमगार्ड के पद सृजित किए जाएं और मंदिर समितियों के व्यय से उनकी नियुक्ति की व्यवस्था बनाई जाए। इसके साथ ही उन्होंने अग्निवीरों को मध्य प्रदेश पुलिस के विशेष सशस्त्र बल में आरक्षक पदों पर भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी प्रक्रिया को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश गृह विभाग को दिए।

धार्मिक स्थलों पर सुविधाएं बढ़ाने की तैयारी

अमरकंटक, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर, दतिया, ओरछा और मैहर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर धर्मशाला, सराय, अन्न क्षेत्र, प्याऊ, पेयजल टंकी, अस्पताल और अन्य जनसुविधाओं के निर्माण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इसके लिए धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को रजिस्ट्री शुल्क में छूट, अनुदान अथवा अन्य रियायतें देने की संभावनाएं तलाशने को कहा।

वरिष्ठ अधिकारी करें आदेश का पालन

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समय की पाबंदी सबसे पहले वरिष्ठ अधिकारी स्वयं अपनाएं और उसके बाद अधीनस्थ कर्मचारियों की नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं और कार्यों को अभियान चलाकर समय-सीमा में पूरा करने के भी निर्देश दिए।

मंदाकिनी परियोजना पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट के विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। सती अनुसुईया मंदिर परिसर, मल्टी फैसिलिटी सेंटर और गुप्त गोदावरी मंदिर परिसर के निर्माण कार्य शीघ्र पूरे किए जाएं। परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को आवंटित अनुपयोगी सरकारी भूमि वापस लेने के लिए केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय से समन्वय किया जाए।

चलते ई-रिक्शा को बंद करने वाले चाइनीज एप बैन

नई दिल्ली। दिल्ली समेत कई शहरों में ई-रिक्शा चालकों के लिए परेशानी बने 3 एप को सरकार ने एप स्टोर से हटाने के आदेश दिए हैं। ये एप BAT-BMS, लॉसिजी और इपोच ली-आयन हैं। आईटी मंत्रालय ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। हालांकि, ये एप प्ले स्टोर पर अब भी मौजूद हैं। हाल ही में शिकायतें मिली थीं कि कुछ लोग इन एप से ब्लूटूथ के जरिए ई-रिक्शा की बैटरी को बंद कर चलते ई-रिक्शा को रोक देते थे। इससे चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इन घटनाओं के वीडियो भी वायरल हुए। दरअसल, कुछ ई-रिक्शा की लीथियम बैटरियों का ब्लूटूथ मैनेजमेंट सिस्टम बिना पासवर्ड या कमजोर सुरक्षा के था, इसलिए एप उससे कनेक्ट हो गया। हालांकि, कारों के बैटरी सिस्टम में मजबूत सुरक्षा और एन्क्रिप्शन होता है, इसलिए कोई सामान्य एप उनसे कनेक्ट नहीं हो सकता।

बदमाश ब्लूटूथ के जरिए बैटरी ऑफ कर देते थे; इलेक्ट्रिक कार-स्कूटर को खतरा नहीं

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण के विज्ञापन

सरकार नोटिस भेजकर मीटा से पूछेगी- ऐसे विज्ञापन कैसे चले, इन्हें कैसे रोका जाएगा

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर सरकार पैरेंट कंपनी Meta को समन भेजेगी। मंत्रालय Meta से पूछेगा कि इंस्टाग्राम पर ऐसे विज्ञापन कैसे प्रसारित हुए और उन्हें रोकने के लिए प्लेटफॉर्म की ओर से क्या कदम उठाए गए। साथ ही यह भी पूछा जाएगा कि बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को रोकने के लिए कंपनी की क्या नीतियां और व्यवस्था हैं। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी तरह की आपत्तिजनक या अवैध सामग्री को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। Metaकी एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंस्टाग्राम पर चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मेटेरियल मौजूद हैं। जांच में दावा किया गया है कि भारत में इंस्टाग्राम पर ऐसे पेड विज्ञापन चल रहे थे, जिनमें रेप वीडियो और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

अमरनाथ यात्रा 2026-पीएम मोदी ने श्रद्धालुओं को लिखा पत्र

सुरक्षित यात्रा के साथ पांच संकल्प लेने की अपील

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के श्रद्धालुओं के नाम एक विशेष पत्र लिखकर उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बाबा बर्फानी के दर्शन हर शिवभक्त के लिए सौभाग्य का विषय हैं प्रधानमंत्री ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित यात्रा करने, पर्यावरण की रक्षा करने और स्थानीय लोगों का सहयोग करने की अपील की। साथ ही उन्होंने पांच महत्वपूर्ण संकल्प लेने का भी आग्रह किया, ताकि यह यात्रा आस्था के साथ-साथ सेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश भी दे सके। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजा के साथ ही बाबा अमरनाथ के दर्शन का पावन क्रम शुरू हो जाता है और देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होने पहुंचते हैं।

प्रधानमंत्री ने श्रद्धालुओं से कौन-कौन से संकल्प लेने की अपील की

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धालुओं से पांच महत्वपूर्ण संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने यात्रा मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी तरह की गंदगी न फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करें तथा बारिश, ठंड और कठिन मौसम को देखते हुए पूरी सावधानी बरतें। इसके अलावा उन्होंने %वोकल फॉर लोकल का संदेश देते हुए आग्रह किया कि यात्रा पर होने वाले कुल खर्च का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा जम्मू-कश्मीर के स्थानीय उत्पादों की खरीद पर खर्च करें.

उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, मंदिर डूबे

गुजरात में बच्चे पानी में बहे, घरों में पानी घुसा; बारिश के बाद हिमाचल में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 60 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया।गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। सोमनाथ के सूत्रपाड़ा में घरों में पानी घुसा।मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए।राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं।

घंटे के आंकड़े (मिलीमीटर में)

स्थान	वर्षा (मिमी)
केवलारी	166
चांद	140
मुलताई	112
सिंगरौली	104
जैसीनगर	102
उज्जैन	101
बिछुआ	100
नैनपुर	96
पीथमपुर	88
बेनीबारी	83
पांढुर्णा	78
सांवेर	72
चौराई	68
मंडला	66
बदनावर	65
कसरावद	65

3 दिन पहले पूरा देश कवर होगा

मानसून ने 1 जून की जगह 3 दिन लेट 4 जून को भारत में एंट्री ली थी। इस दौरान कई राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। बीच-बीच में ब्रेक मानसून जैसी स्थिति बनने से यह आशंका जताई जाने लगी थी कि इस बार मानसून पूरे देश को सामान्य समय से देर से कवर करेगा। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र और अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली।

मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ ने जारी किया बयान, कहा-

चोरी की घटना से राम भक्तों की श्रद्धा को आघात पहुंचा

अयोध्या। अयोध्या में रामलला मंदिर चढ़ावा चोरी होने की घटना पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कड़ा बयान जारी किया। संघ ने कहा कि यह घटना केवल चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इससे करोड़ों राम भक्तों की आस्था और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। संघ ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

दोषियों पर क्या कार्रवाई की मांग की गई

संघ ने अपने बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के आग्रह पर उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। जांच दल की सिफारिश के आधार पर कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

हिंदू समाज से संघ ने क्या अपील की

अपने बयान के अंत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरे हिंदू समाज से धैर्य और संयम बनाए रखने की अपील की। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी शक्तियां हिंदू धर्म तथा समाज को बदनाम करने का प्रयास कर सकती हैं।

मप्र: 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद जज को मिली धमकी

जबलपुर, ब्यूरो

गौ तस्करी व मॉब लिंचिंग के बहुचर्चित मामले में 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद इंटरनेट मीडिया पर मिली धमकियों को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि ऐसी गतिविधियां सीधे तौर पर न्यायिक स्वतंत्रता और न्यायिक अधिकारियों के निडर होकर कार्य करने में बाधा डालती हैं। युगलपीठ ने उपद्रवियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) से तीन दिनों के भीतर हलफनामा प्रस्तुत करने को कहा है।

तबस्सुम खान को सुरक्षा दी गई

गौरतलब है कि जजों की सुरक्षा से संबंधित संज्ञान याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने सिवनी मालवा में पदस्थ महिला न्यायाधीश तबस्सुम खान को गौ तस्करी व मॉब लिंचिंग के बहुचर्चित मामले में 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद इंटरनेट मीडिया पर मिली धमकियों को गंभीरता से लिया। याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया गया कि नर्मदापुरम की पुलिस अधीक्षक ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान को सुरक्षा प्रदान कर दी है।

विचार पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नुई बोलीं- भारत की सड़कों पर गायें भी यहां के जीवन का मुख्य हिस्सा

भारत में आकर रहना हर किसी के बस की बात नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)

पेप्सिको की पूर्व सीईओ और दिग्गज बिजनेस लीडर इंदिरा नुई ने भारत और चीन के माहौल की तुलना करते हुए एक बड़ा बयान दिया है।

चीन से तुलना पर नुई ने कहा कि भारत की विविधता और इसकी अनूठी व्यवस्था के कारण इसे समझना हर किसी के बस की बात नहीं है। अमेरिकन थिंक टैंक हूवर इंस्टीट्यूशन के एक कार्यक्रम में अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस ने जब भारत में पलीं-बढ़ीं नूई से पूछा कि अमेरिकी छात्र चीन की तुलना में भारत कम क्यों जाते हैं तो नूई ने कहा कि इंडिया इज नॉट एव्रीवन्स कप ऑफ टी यानी भारत में रहना हर किसी के बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर आपको अफरा-तफरी पसंद है और आप उसमें भी जीवन जीने का तरीका देख पाते हैं तो आपका इस देश से मन नहीं भरेगा। नूयी, हूवर इंस्टीट्यूशन के लिए लीडरशिप और इनोवेशन पर कोंडोलीजा राइस से बात कर रही थीं। राइस ने उनसे पूछा कि वो अमेरिकी छात्रों से भारत आने और उसे अनुभव करने के लिए क्या कहेंगी, क्योंकि वे चीन तो जाते हैं लेकिन भारत उतनी संख्या में नहीं जाते। इस पर उन्होंने राइस से कहा, मुझे लगता है कि चीन के बारे में दिलचस्प बात यह है कि वह काफी हद तक एक जैसा (होमोजेनियस) है।

भारतीयों का नजरिया होता है, यह भी गुजर जाएगा

इंदिरा नुई ने कहा, अगर आप भारत को जानते हैं, वहां पहले भी घूम चुके हैं और आपको अपने आस-पास की वो अफरा-तफरी पसंद है तो आप वापस जाते हैं। यह किसी नशे की तरह है। आपको इसकी लत लग जाती है। लेकिन अगर आपको सब कुछ व्यवस्थित और साफ-सुथरा पसंद है तो भारत में रहना आपके लिए नामुमकिन होगा। नुई ने आगे कहा कि भारतीयों का नजरिया होता है कि यह भी गुजर जाएगा और शायद भारत और तरक्की करे, लेकिन सड़कों पर गायें यहां की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि इसके उलट अमेरिका के लोग बहुत लाड़-प्यार में पले-बढ़े होते हैं। नुई ने कहा कि वो अपने बच्चों से कहती हैं कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें पूरे समय खुलने वाली दुकानें और हफ्तों के सातों दिन खुलने वाले मॉल मिलते हैं। किसी और देश में ऐसा नहीं है।

चीन और भारत के सिस्टम में बड़ा फर्क

पेप्सिको की पूर्व प्रमुख ने इस दौरान भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर ध्यान केंद्रित कराते हुए कहा कि वो चीन को अंधेरे दौर से बाहर निकालने वाले चीनी सिस्टम का सम्मान करती हैं। उन्होंने कहा, वो एक विश्व शक्ति इसलिए बन पाए क्योंकि उन्होंने यह काम केंद्रीय स्तर पर किया। भारत अभी भी विश्व शक्ति बनने के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि यहां लोकतंत्र है और जब हर किसी के पास वोट और अपनी बात कहने का अधिकार होता है तो तरक्की धीमी होती है। लेकिन मुझे खुशी है कि यहां ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि भारत के हर ठीक-ठाक आकार वाले शहर में एक कोर्टहाउस (अदालत) होता है ठीक वैसे ही जैसे अमेरिका के शहरों में होता है। उन्होंने कहा, चीन में कोर्टहाउस नहीं होते क्योंकि सरकार ही नियम बनाती है और फैसले लेती है और यहीं पर समस्या पैदा होती है और यही अलग बात यानी हमारी न्यायपालिका का इतना स्पष्ट रूप से मौजूद होना, लोगों को यह भरोसा दिलाता है कि देश में उनके भी अधिकार हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर्स-डे पर लीनेस क्लब विंध्य ने किया चिकित्सकों का सम्मान

सतना। डॉक्टर्स डे के अवसर पर लाइनस क्लब विंध्य द्वारा अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गुप्ता की अध्यक्षता में चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. चारूलता सोई, डॉ. मनीषा सोई, डॉ. स्नेहिल, डॉ. स्वीकृति, डॉ. सेजल तथा डॉ. निशा शर्मा सहित अन्य चिकित्सकों को उपहार एवं पौध भेंट कर सम्मानित किया गया। क्लब की सचिव काजल श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सक समाज के लिए ईश्वर के दूत के समान हैं। वे अपनी सेवा, समर्पण और मानवता के भाव से लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में सीमा अग्रवाल, ज्योति जायसवाल, दिव्या ताम्रकार, सरिता साहू सहित क्लब की अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं। सभी ने चिकित्सकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की।

डॉक्टर-डे पर चिकित्सकों का लायंस क्लब अमरपाटन ने किया सम्मान

सतना। अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था लायंस क्लब अमरपाटन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अमरपाटन में चिकित्सकों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रति चिकित्सकों द्वारा दी जा रही उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करना था। इस अवसर पर डॉ.आर.के.तिवारी, डॉ.बी.जी.एस. भदौरिया, डॉ.सुरेन्द्र द्विवेदी एवं डॉ.रत्नेश का पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में लायन राजकुमारी पाण्डेय, लायन किशन मिश्रा, लायन सुजीत मिश्रा, लायन धर्मेन्द्र सेन, नीलेन्द्र द्विवेदी, माखन सिंह, पंकज मिश्रा, रजनीश नामदेव, मनोज रजक एवं रावेन्द्र द्विवेदी सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन राजकुमारी पाण्डेय ने कहा कि चिकित्सक मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उनके समर्पण, सेवा भावना और समाज के प्रति योगदान को सम्मानित करना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम का समापन सभी चिकित्सकों के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ

वीबी-जी-रामजी मिशन का जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

जिला पंचायत सभागार में गुरुवार को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी-रामजी) के शुभारंभ एवं विकसित भारत 2047 विषयक जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह परिहार ने की। कार्यक्रम में ग्रामीण रोजगार, आजीविका संवर्धन एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति रमाकांत पायसी, ज्ञानेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, श्रीमती आरती चौधरी, श्रीमती एकता सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, सीईओ जनपद पंचायत सोहावल प्रतिपाल बागरी, नागौद अशोक मिश्रा, उचेहरा ओ.पी. अस्थाना, रामपुर बाघेलान सुश्री रश्मि पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। योजना के शुभारंभ अवसर पर राज्य स्तरीय कायज्क्रम का लाइव प्रसारण भी देखा व सुना गया।

कार्यक्रम में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आजीविका के अवसरों का विस्तार, जनभागीदारी तथा विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण हेतु समन्वित प्रयासों का संकल्प लिया।

मैहर जिले में भी कार्यक्रम सम्पन्न

मैहर जिले में शासन के निर्देशानुसार विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी-रामजी) योजना के शुभारंभ कार्यक्रम मैहर जिले के जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झंझवारी में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने की। इस मौके पर जनपद

पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा विनोद लोधी, जनपद उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जयंती महेश तिवारी, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, जनपद पंचायत सीईओ अशोक कुमार तिवारी, सहायक यंत्री पारितोष सिंह, ब्लॉक समन्वयक मनरेगा पवन शुक्ला, उपयंत्री योगेंद्र सिंह परमार, दीपक बैश, दीपक मिश्रा तथा ग्राम पंचायत सरपंच रवीन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में हितग्राही एवं ग्रामीणजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने मनरेगा योजना से विकसित वीबी-जी-रामजी योजना की विशेषताओं एवं इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार के प्रयासों की जानकारी दी। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने योजना के लाभ, प्रावधान एवं हितग्राहियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

लक्ष्मी नारायण मिश्र के सेवानिवृत्ति पर चिन्मय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

नगर संवाददाता, सतना।

चिन्मय विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री लक्ष्मी नारायण मिश्रा सेवानिवृत्त हुए। उनके सम्मान में चिन्मय विद्यालय परिसर में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिन्मय विद्यालय की आचार्या ब्रह्मचारिणी गार्गी चैतन्य ने की। इस अवसर पर चिन्मय विद्यालय समिति के सदस्य मनमोहन महेश्वरी मनीष कटारे विभाष बनर्जी एवं डॉ. प्रीति नेमा विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार एवं समिति के सदस्यों ने श्री लक्ष्मी नारायण मिश्रा जी के दीर्घ, निष्ठापूर्ण एवं समर्पित कार्यकाल की भूरि-भूरि सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि श्री लक्ष्मीनारायण ने अपने शिक्षण काल में अनुशासन संस्कार एवं ज्ञान की त्रिवेणी से सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य संवारा है। सभी उपस्थित जनों ने लक्ष्मीनारायण मिश्रा के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखी जीवन की मंगलकामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

महात्मा ज्योतिबा फुले के 200 वीं जन्म वर्ष को सम्मान पूर्वक मनाया

नगर संवाददाता, सतना।

भारतीय नवजन कल के महान मनीषिय शिक्षा के पक्षधर महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 200 वीं जयंती वर्ष पर महात्मा ज्योतिबा फुले जन्म द्विशताब्दी वर्ष आयोजन समिति की तरफ से कृपालपुर में स्मृति सभा आयोजित गई गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राज्य कमेटी सदस्य अजीत सिंह पवार ने बताया 19वीं सदी के प्रारंभिक काल में भारतीय समाज अंधकार की गहरी खाई में डूबा हुआ था ऐसे समय में ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे शहर में हुआ था, ज्योतिबा फुले महान मनुष्यों में से एक थे जिन्होंने तत्कालीन समाज की जंजीरों को तोड़कर समाज को एक नया रास्ता दिखाने का साहस किया। कार्यक्रम में शामिल साथी सुरेंद्र चौधरी, कृष्णकांत भारती जी, राजनेश सकित, महावीर चौधरी, कृष्ण कुमार सतनामी। कार्यक्रम का संचालन विक्रम तांवरे ने किया।

डॉक्टर्स-डे पर सिन्धु विकास समिति ने किया डॉक्टरों का सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

जीवनदायिनी सेवा रक्तदान,एवं श्री नारायण मुक्तिधाम की सेवा जैसे अनेक अनोखे कार्य करने वाली विंध्य क्षेत्र की अग्रणी समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति ने 1 जुलाई बुधवार को डॉक्टर्स डे के अवसर पर संत मोतीराम आश्रम में निरंतर सेवाएं दे रहे डॉक्टरों का आश्रम परिसर में अखिल भारतीय सिन्धी साधूसंत समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी खिम्यादास जी के सानिध्याशीष एवं संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी एवं श्री जेठानंद वाधवानी अध्यक्ष जनरल मर्चेंट एसोसिएशन की उपस्थिति में शाल पहनाकर एवं अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मान किया। संस्था के मंत्री संजय वाधवानी ने बताया डॉक्टर्स डे महंत स्वामी खिम्यादास के पावन सानिध्याशीष मे सर्वप्रथम गोपी गेलानी ने स्वामी जी का स्वागत किया तत्पश्चात डॉ.प्रवीण श्रीवास्तव डॉ.वी.के.गांधी डॉ.के.एल.नामदेव डॉ.नारायण त्रिपाठी जी का सिन्धू विकास समिति द्वारा सम्मानित किया गया।इस अवसर पर स्वामी जी ने सिन्धु विकास समिति की प्रशंसा करते हुए निरंतर सेवा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने डॉक्टर्स के सम्मान मे अपने उद्बोधन मे डॉक्टर्स को भगवान का दूसरा रूप बताया ज्ञात हो कि अपने व्यस्ततम समय मे से उपरोक्त सभी डॉक्टर्स यहां निरंतर निस्वार्थ निशुल्क अपनी सेवाएं दे रहे हैं और आज तक यहां से लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है कोरोना काल में भी डॉक्टरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पूरे देश में लाखों लोगों को नया जीवन दिया ऐसे जीवसेवकों को समिति नमन करती है। सम्मान समारोह का सफल संचालन भाई प्रह्लाद ने किया आभार संस्था के मार्गदर्शक गोपीचंद कापड़ी ने व्यक्त किया ने व्यक्त किया।

सेवानिवृत हुए राकेश व हरि प्रसाद सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन सतना की मासिक बैठक 2 जुलाई को श्रम कल्याण केंद्र प्रेम नगर सतना में संगठन के संरक्षक एमजी सक्सेना के अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में 30 जून को शहर संभाग सतना से सेवानिवृत हुए राकेश कुमार मिश्रा कार्यालय सहायक श्रेणी 2 एवं हरि प्रसाद यादव वाहन चालक ई एच टी संभाग सतना को श्रीफल एवं साल से सम्मानित किया गया। साथ ही संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं पेंशनर्स की समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक में कैशलेस मेडिक्लेम पर हो रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा हुई एवं सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

अंत में शहर संभाग सतना मैं पदस्थ मोहम्मद हाशमी कार्यालय सहायक श्रेणी 2 के पुत्र की असमय मौत पर 2 मिनट का मौन रखा गया एवं सभी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

बैठक में बीपी पटेल ए.के.सिंह बघेल पीसी खत्री ओ.पी.अग्रवाल मोहम्मद सलीम लोकपाल विश्वकर्मा पवन खरे अनिल सक्सेना विपिन श्रीवास्तव अशोक कुमार खरे दीपक स्मिथ ओ.पी.नामदेव सुरेंद्र कुमार निगम संत कुमार श्रीवास्तव एसके खरे सुरेंद्र कुमार वर्मा चंद्रशेखर सोनी एस के निगम आदि उपस्थित थे।

निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज स संघ का हुआ मंगल विहार

नगर संवाददाता, सतना।

निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज, मुनि श्री पवित्र सागर महाराज एवं ऐलक श्री निश्चय सागर महाराज का गुरुवार को सतना नगर से मंगल विहार संपन्न हुआ। इस अवसर पर कटनी, अमरपाटन, देवेंद्रनगर, पन्ना, दमोह, जबलपुर, विदिशा, सहित विभिन्न नगरों एवं ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर मुनिसंघ से अपने-अपने क्षेत्र में मंगल विहार का भावपूर्ण निवेदन करने पहुँचे।

इस अवसर पर निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'आचार्य श्री की जो आज्ञा हमारे लिए होगी।

आईसीएआई एमएसएमई महोत्सव में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया लाभ

नगर संवाददाता, सतना।

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की एमएसएमई एवं स्टार्टअप समिति के तत्वावधान में सतना डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ऑफ सीआईआरसी ऑफ आईसीएआई द्वारा आईसीएआई एमएसएमई महोत्सव-2026 का सफल आयोजन शाखा परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा एवं विशिष्ट अतिथियों श्री ए.पी. सिंह (पूर्व महाप्रबंधक, उद्योग विभाग) तथा श्री वी.पी. सिंह (पूर्व वरिष्ठ संकाय सदस्य, सीईडीमैप) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

शाखा अध्यक्ष सीए संजय अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्य अतिथि श्री सिद्धार्थ कुशवाहा ने युवाओं को उद्यमिता अपनाकर रोजगार सृजक बनने का आह्वान किया तथा स्स्स्थ क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बताया।

तकनीकी सत्रों मेंए.पी. सिंह ने शासकीय योजनाओं एवं उद्योग स्थापना, वी.पी. सिंह ने उद्यमिता विकास, सुश्री संजना सिंह (सतना इन्क्यूबेशन सेंटर) ने स्टार्टअप इकोसिस्टम, टैली के अधिकृत विशेषज्ञ ने डिजिटल अकाउंटिंग तथा सीए निर्मला सोनी ने स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन, वैधानिक अनुपालनों एवं स्टार्टअप अवसरों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय सफल एमएसएमई उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा कर प्रतिभागियों को प्रेरित किया। साथ ही, नव स्थापित स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों को शाखा के चार्टर्ड अकाउंटेंट सदस्यों द्वारा निःशुल्क मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया गया, जिससे उन्हें व्यवसाय प्रारंभ करने एवं आगे बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम में 150 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्यमियों, उद्योगपतियों, स्टार्टअप संस्थापकों, बैंक प्रतिनिधियों एवं व्यवसायियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम का लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन सीए हिमांशु अग्रवाल एवं सीए पूजा गोयल ने किया तथा सीए ऋषभ तिवारी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सीए रवि अग्रवाल, सचिव सीए अभिषेक कामदार, कोषाध्यक्ष सीए प्रशांत नायक तथा प्रबंध समिति के सदस्य सीए महान गुप्ता एवं सीए वीराम जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एमएसएमई को सशक्त बनाना, विकसित भारत का निर्माण करना के संकल्प के साथ हुआ।

डॉक्टर्स-डे पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

पेड़ हमे देते हैं सब कुछ : आई.एम.ए.

नगर संवाददाता, सतना।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना द्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर भरहुत नगर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित सतना के संकल्प के साथ भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रमाकांत नेमा रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'एक चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करता, बल्कि स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील अग्रवाल एवं पार्षद आदित्य यादव ने भी वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए सतना के अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि 'डॉक्टर्स डे केवल चिकित्सकों के सम्मान का दिवस नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का भी अवसर है। वृक्षारोपण स्वस्थ पर्यावरण, स्वच्छ वायु और बेहतर भविष्य की दिशा में हमारा छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है। आईएमए सतना भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। इस कार्यक्रम का सफल समन्वयन डॉ. प्रतिभा दुबे एवं शिबू त्रिपाठी द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं उपस्थित चिकित्सकों का स्वागत करते हुए अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संदेश दिया। आईएमए सतना के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर समाज को हरियाली एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में रमाकांत शुक्ला, गिरीश अग्रवाल,सचिव डॉ. आलोक खन्ना, कोषाध्यक्ष डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. रचनाजैन ,डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. सुदीप अग्रवाल, डॉ. आर. के. नेमा, डॉ. प्रीत नेमा आदि मौजूद रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत भारत स्काउट व गाइड जिला सतना ने किया पौधरोपण

नगर संवाददाता, सतना।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ सतना तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत मैहर बायपास मार्ग स्थित सरस्वती आवासीय विद्यालय के समीप वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत स्काउट एवं गाइड राज्य मुख्यालय, भोपाल के प्रदेश उपाध्यक्ष विराम जैन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ सतना के अध्यक्ष शिवम अग्निहोत्री ने की। इस अवसर पर जिला संघ के उपाध्यक्ष संदीप पांडे, आजीवन सदस्य प्रतिनिधि सुधीर शुक्ला, संभागीय कार्यालय रीवा से सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) विश्वनाथ मिश्र सहित जिला संघ के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पौधरोपण अभियान में प्रियंवदा बिरला सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लिटिल फ्लावर पब्लिक स्कूल सतना तथा रामकृष्ण विवेकानंद मिशन स्कूल सहित जिले के विभिन्न विद्यालयों के स्काउट-गाइड विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

सैनिकों की शहादत पर देश और संसद को गुमराह करना आपत्तिजनकःअजय खरे

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि साल भर पहले सीमा पार से हुई आतंकवादी गतिविधियों के जवाब में भारत के द्वारा मई 2025 में पाक अधिकृत कश्मीर पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के द्वारा 28 जुलाई 2025 को लोकसभा में झूठी जानकारी देने पर इधर विरोध के स्वर मुखर हैं। यह विशेषाधिकार हनन का मामला है। विदित हो कि 28 जुलाई 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद (लोकसभा) में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान, विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा था- आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज़ सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। श्री खरे ने बताया कि अभी यह जानकारी है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान छ- भारतीय जवान वीरगति को प्राप्त हुए। जबकि 11 माह पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में यह बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कोई सैनिक क्षति नहीं हुई है। श्री खरे ने कहा कि रक्षा मंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठकर सदन और देश को गुमराह करना अत्यंत आपत्तिजनक बात है। सदन को गुमराह करना किसी भी सदस्य के लिए, वह प्रधानमंत्री ही क्यों ना हो, उसकी सदस्यता छीने जाने का कारण बन सकता है।

पनवार थाना क्षेत्र में साइबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान का चला रथ

रामबाग। पुलिस मुख्यालय द्वारा साइबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रीवा जिले में भी प्रचार वाहन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है वही पनवार थाना अंतर्गत साइबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान के तहत दिव्यगवा पटियारी रामबाग सहित कई गांवों में जाकर साइबर फाड से कैसे बचे इसकी जानकारी दी जा रही है वही रीवा पुलिस द्वारा बताया जा रहा है कि साइबर फाड के नए नए तरीके अपनाए जा रहे हैं जिसमें नए नए नंबरों से फोन आना एपीके फाइल ओटीपी के माध्यम से फाड करने के तरीके अपनाए जा रहे है।

शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर हुई समीक्षा बैठक में महापौर ने दिए निर्देश

लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर होगी वैधानिक कार्यवाही

■ **प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई दे**

रीवा, नगर संवाददाता।

महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने निगम आयुक्त अक्षत जैन की उपस्थिति में गुरुवार को नगर निगम सभागार में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे। बैठक के दौरान महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने शहर के मुख्य मार्गों, डिवाइडरों, प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक वार्ड एवं गली-मोहल्ले में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए सभी स्वच्छता निरीक्षकों को प्रतिदिन अपने-अपने जोन का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी एवं आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सफाई कार्यों में आवश्यक सख्ती बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि जो कर्मचारी अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही करेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए। जिन वार्डों में सफाई कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने अथवा संख्या कम होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है, वहां आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

पर्याप्त संख्या में हथठेले उपलब्ध कराये जायें

बैठक में यह भी सामने आया कि रैमकी एजेंसी द्वारा कुछ वार्डों में डीजल की कमी के कारण कचरा संग्रहण वाहन नियमित रूप से संचालित नहीं किए जा रहे थे। इस पर महापौर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए समस्या के शीघ्र निराकरण तथा सभी वार्डों में कचरा संग्रहण वाहनों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सफाई कार्य को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक वार्ड में आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त संख्या में हाथठेले उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि सफाई कार्य निर्बाध रूप से संचालित हो सके और कम से कम ढेरी बने। महापौर ने प्रत्येक वार्ड में ऐसे स्थान भी चिन्हित करने के निर्देश दिए, जहां सफाई कार्य में उपयोग होने वाले हाथठेलों एवं अन्य उपकरणों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। बैठक में एमआईसी सदस्य गुलाम अहमद, कार्यपालन यंत्री एवं एसबीएम नोडल अधिकारी सिद्धार्थ सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार,दीपक सिंह तोमर, एसबीएम सहायक नोडल अधिकारी अपूर्वा चतुर्वेदी, स्वच्छता निरीक्षक, रैमकी कंपनी एवं आईईसी टीम के प्रतिनिधियों सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के 1895 सरकारी विद्यालयों में एक भी शिक्षक नहीं

स्कूलों की बिगड़ती हालत, व्यवस्था बनी यक्ष प्रश्नः एड. वीरेन्द्र सिंह

रीवा, नगर संवाददाता।

सरकारों का ध्यान अकेले सरकारी स्कूलों का नहीं किसी भी क्षेत्र मे मूलभूत सुविधाओं की ओर नहीं है, यह तो जग जाहिर है। सरकारें इस ओर ध्यान भी नहीं देना चाहतीं ,कारण है कि मूलभूत सुविधाओं की ओर ध्यान देने वाली सरकारें दुबारा वापस लौट कर सत्ता मे कम ही आ पाती हैं । सरकार को सत्ता मे बने रहने के लिए जो कुछ जरूरी लगता है वही सब काम सरकारें करती हैं , बिना इसकी परवाह किए कि सरकार जो कर रही है वह सही है या गलत। यह जानकर कि प्रदेश मे 1, 895 सरकरी स्कूलें ऐसी हैं जहां एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं हैं , आश्चर्य होता है ।

यह गंभीर जांच का विषय है कि विद्यालयों मे बच्चों का एडमिशन कैसे हो रहा है, बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं उनकी कच्छोन्नति भी हो रही होगी और सरकारी खजाने का धन व्यय होता ही होगा ,यह सब आश्चर्य चकित करने वाला है। आखिर विद्यालय मे बच्चों का प्रवेश कौन देता है, सरकार सामग्री किसे देती है, विद्यालय मे कैसे आती है, किसकी जिम्मेवारी में रहती है, बच्चों को मिलती है क्या, विद्यालय मे शिक्षण कार्य होता भी है या नहीं, होता है तो कैसे और कौन कराता है, यह एक यक्ष प्रश्न की तरह है, इन सब की जांच माननीय उच्च न्यायालय द्वारा कराई जानी चाहिए। उक्त बातें वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह बघेल ने जारी विज्ञप्ति में व्यक्त की।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़

पहले परीक्षा निरस्त, फिर मात्र दो घंटे पहले परीक्षा का आदेश

रीवा, नगर संवाददाता।

विश्वविद्यालय प्रशासन की गंभीर लापरवाही और अव्यवस्थित कार्यप्रणाली का एक और उदाहरण सामने आया है। संबंधित विभाग द्वारा एक दिन पूर्व लिखित सूचना जारी कर 2 एवं 3 जुलाई को आयोजित होने वाली परीक्षाओं को निरस्त किए जाने की जानकारी दी गई। छात्रों ने विश्वविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचना पर विश्वास करते हुए उसी के अनुरूप अपनी यात्रा, आवास तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ कर लीं। किन्तु दोपहर लगभग 1 बजे उसी विभाग की ओर से एक ऑडियो संदेश प्रसारित कर छात्रों को सूचित किया गया कि आज दोपहर 3 बजे से परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा सभी छात्रों को परीक्षा में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। प्रश्न यह है कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को केवल प्रयोग की वस्तु समझता है? क्या लिखित रूप से परीक्षा निरस्त करने के बाद मात्र दो घंटे पहले ऑडियो संदेश भेजकर परीक्षा आयोजित करना उचित प्रशासनिक व्यवस्था कहलाएगा? दूर-दराज़ से आने वाले विद्यार्थी इतनी कम अवधि में परीक्षा केंद्र तक कैसे पहुँचेंगे? यदि कोई छात्र विश्वविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचना पर भरोसा कर अपने घर जा चुका हो, तो उसकी अनुपस्थिति का जिम्मेदार कौन होगा? यह केवल प्रशासनिक अव्यवस्था नहीं, बल्कि हजारों छात्रों के समय, मानसिक शांति, आर्थिक संसाधनों और शैक्षणिक भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। विश्वविद्यालय जैसे जिम्मेदार संस्थान से ऐसी कार्यप्रणाली की अपेक्षा नहीं की जा सकती। इस संबंध में छात्र नेता अमन सिंह बघेल ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली लगातार छात्रों के हितों की अनदेखी कर रही है। बार-बार बिना समुचित योजना और पूर्व सूचना के लिए जा रहे ऐसे निर्णय विद्यार्थियों को मानसिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

तेजस्विनी को मिली पीएचडी उपाधि

रीवा। वरिष्ठ अधिवक्ता बद्री सिंह बघेल की सुपुत्री तेजस्विनी सिंह को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा द्वारा सतना जिले के नगरीकरण एवं पर्यावरण के सामाजिक एवं भौगोलिक अध्ययन पर पीएचडी की शोध उपाधि प्रदान की गई है। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा में भूगोल संकाय की गेस्ट फैकल्टी व्याख्याता तेजस्विनी ने अपना यह शोध अध्ययन डॉ. एके सिंह एवं विभागाध्यक्ष डॉ.बीपी सिंह के कुशल निर्देशन पर पूर्ण किया है। तेजस्विनी सिंह की इस उपलब्धि पर अधिवक्ताओं के साथ ही वरुणेन्द्र प्रताप सिंह, दिवाकर सिंह, शिखा सिंह सहित सभी शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई दी है।

भारतीय शिक्षा दिवस पर विवि.में रोपे गये पौधे

रीवा, नगर संवाददाता।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के रीवा इकाई द्वारा भारतीय शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु प्रोफेसर राजेंद्र कुमार कुरड़िया रहे,कार्यक्रम की अध्यक्षता कुल सचिव नीरजा नामदेव ने की,कार्यक्रम के आयोजक प्रो रामभूषण मिश्रा रहे। विश्वविद्यालय में यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग में आयोजित किया गया जिसमें पीपल बरगद और बड़ा के उड़े लगाएं गए । कुलगुरु ने छात्रों एवं शिक्षकों को शिक्षा उत्थान न्यास के बारे में जानकारी दे उनके बारह आयाम के विस्तार से बताए तथा वृक्ष समाज के लिए कितनी उपयोगी हैं पीपल के महत्व और उपयोग की जानकारी छात्रों को प्रदान की गई साथ ही शिक्षकों एवं छात्रों को संकल्प दिया कि सभी छात्र इस वर्ष पौधे लगायें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर आशुतोष द्विवेदी डॉक्टर अनुराग मिश्रा डॉक्टर शेषपाल नामदेव ,श्रवण पांडेय डॉक्टर देवेंद्र मिश्रा , डॉक्टर संजीव मिश्रा,डॉक्टर कमलाकर पांडेय, डॉक्टर अरुण पांडेय, डॉक्टर वर्षा गौतम, डॉ शोभा रानी दुबे , रुक्मणी द्विवेदी के अलावा शारीरिक शिक्षा विभाग ,शिक्षा विभाग,समाज कार्य विभाग के सभी शिक्षक,हॉस्टल के सभी छात्र उपस्थित रहे।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ एवं शैक्षणिक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण, विभागीय कार्यप्रणाली, शैक्षणिक गतिविधियों तथा भावी अवसरों से परिचित कराना था। विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल ने विद्यार्थियों को समाजशास्त्र विभाग की स्थापना, शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध गतिविधियों, विभाग द्वारा संचालित विविध अकादमिक कार्यक्रमों तथा विषय में उपलब्ध रोजगार एवं उच्च अध्ययन की संभावनाओं की जानकारी दी। डॉ. महानंद द्विवेदी ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की समृद्ध शैक्षणिक परंपराओं, अनुशासित वातावरण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था से परिचित कराया। डॉ. शाहेदा सिद्दीकी ने विद्यार्थियों को नियमित कक्षाओं में उपस्थिति सुनिश्चित करने, महाविद्यालयीन नियमों का पालन करने तथा निर्धारित ड्रेस कोड का अनुपालन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय का नियमित उपयोग ,डॉ. निशा सिंह एवं डॉ. प्रियंका पाण्डेय ने विद्यार्थियों को विभाग में वर्षभर आयोजित होने वाले सेमिनारों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शालिनी पाण्डेय ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. फरजाना बानों ने व्यक्त किया।

तेज बारिश से हुए जलभराव वाले क्षेत्रों का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

रीवा, नगर संवाददाता।

गुरुवार दोपहर हुई तेज वर्षा के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनने पर निगम आयुक्त अक्षत जैन भ्रमण कर जलभराव एवं चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ राहत कंट्रोल रूम में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का तत्काल संज्ञान लेकर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निगमायुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम रीवा का बाढ़ राहत कंट्रोल रूम पूर्णतः सक्रिय होकर कार्य कर रहा है। नगर निगम कंट्रोल रूम में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर संबंधित वार्डों में तत्काल कार्रवाई करते हुए जल निकासी सुनिश्चित की गई। इसमें वार्ड क्रमांक 15 में दून पब्लिक स्कूल के सामने सड़क पर जलभराव एवं गड्ढों की समस्या, वार्ड क्रमांक 4 एवं 12 में नालियों में जलभराव, वार्ड क्रमांक 7 में आरआईटी कॉम्प्लेक्स के समीप तथा खूंटेही स्थित लोटस टॉवर से आदर्श फेटोकॉपी के बीच जल निकासी अवरुद्ध होने की शिकायत प्राप्त हुई। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 13 में रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप नई नाली निर्माण के बाद जल निकासी बाधित होने, वार्ड क्रमांक 16 आजाद नगर में पानी की निकासी नहीं होने तथा वार्ड क्रमांक 26 अंबेडकर नगर में सड़क के स्लैब के कारण मकानों के सामने जलभराव की शिकायत दर्ज की गई। नगर निगम के सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में वार्ड क्रमांक 17 स्थित विकास कॉलोनी के सीआईडी कार्यालय परिसर में जलभराव, तथा वार्ड क्रमांक 5 के पद्मधर कॉलोनी, छोटी पुल, बीड़ा रोड, सिमरिया तिराहा, शिवधाम कॉलोनी, संजीवनी हॉस्पिटल क्षेत्र, संगम नगर, सोंधिया बस्ती, भवानी नगर एवं हरिजन बस्ती में जल निकासी संबंधी समस्याओं पर भी नगर निगम की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जल निकासी सुनिश्चित की गई।

फल अनुसंधान परियोजना को पुनः मिला अनुमोदन

■ **डिप्टी सीएम एवं सांसद रीवा का जताया आभार**

रीवा, नगर संवाददाता।

अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना आईसीएआर बेंगलूरू के सहयोग से फल अनुसंधान केंद्र, कृषि महाविद्यालय रीवा विगत 47 वर्षों से संचालित हैं। विगत वर्षों में फल अनुसंधान केंद्र, कुठुलिया फार्म, रीवा के माध्यम से आम की सुन्दरजा सेलेक्शन-2 और अमरूद की धारीदार प्रजाति विकसित की गई है एवं इस क्षेत्र के आम की विशेष पहचान रखने वाली सुन्दरजा प्रजाति का जीआई टैगिंग का कार्य भी हुआ है। आगामी वर्षों में भी फल अनुसंधान केंद्र, कुठुलिया फार्म, रीवा क्षेत्र में अनुसंधान प्रयोग लगातार चलते रहने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा इस अनुसंधान केंद्र को पुनः अनुमोदित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए मप्र के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं सांसद जनार्दन मिश्रा का विशेष प्रयास रहा है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके त्रिपाठी, डा. रघुराज किशोर तिवारी एवं डा. टीके सिंह ने उप मुख्यमंत्री एवं सांसद से मिलकर धन्यबाद दिया। इस उपलब्धि के लिए कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों के साथ साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष व्यापत है।

ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर किया प्रदर्शन,निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

रीवा-सीधी फोरलेन मुआवजा निर्धारण पर फूटा किसानों का गुस्सा

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा निर्धारण प्रक्रिया को लेकर किसानों का आक्रोश गुरुवार को खुलकर सामने आया। गुढ़ तहसील अंतर्गत रीठी, उमरी, खामा-खड्डा, महसांव, पुराष सहित आसपास के कई गांवों के सैकड़ों किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और कथित अनियमितताओं के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। किसानों ने रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान मुआवजा निर्धारण में गंभीर त्रुटियां की गई हैं। कई किसानों की भूमि का सही मूल्यांकन नहीं किया गया, जिससे उन्हें नियमानुसार मिलने वाले मुआवजे से वंचित होना पड़ सकता है। ज्ञापन में किसानों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, मुआवजा निर्धारण में हुई कथित गड़बड़ियों को दूर करने तथा सभी प्रभावित किसानों को शासन के नियमों के अनुरूप उचित मुआवजा दिलाने की मांग की।

विसंगतियों का निराकरण नही हुआ तो आंदोलन होगा तेज

किसानों का कहना था कि यदि समय रहते विसंगतियों का निराकरण नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने किसानों की बात गंभीरता से सुनी और उन्हें आश्वस्त किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो उसे तत्काल सुधारते हुए मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया नियमानुसार कराई जाएगी। प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से बी.एन. राव, कामरेड लालमणि त्रिपाठी, विशम्भरनाथ पटेल, राम सेवक पटेल (मुखिया), रीठी सरपंच शैलेंद्र देव, प्रभाकर देव, धीरेन्द्र सिंह, हिरामणि पटेल, जितेन्द्र पटेल, विनोद पटेल, रामकुमार पटेल, रामचंद्र तिवारी, कमलेश सिंह, मनोज तिवारी, प्रदीप रावत, विजय कोल, रामकृपाल मिश्रा, रामगोपाल पटेल, रविशंकर सहित प्रभावित किसान उपस्थित रहे।

माय वर्ल्ड कॉन्वेंट स्कूल ने दी विद्यार्थियों को तीन निःशुल्क सुविधाओं की सौगात

रीवा, नगर संवाददाता।

माय वर्ल्ड एसएस कॉन्वेंट स्कूल हनुमना में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिवार ने सभी बच्चों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक एवं संचालक सौरभ द्विवेदी ने बताया कि संस्था विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से तीन विशेष सुविधाएँ पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। इनमें प्रातः 6 से 8 बजे तक निःशुल्क क्रिकेट प्रशिक्षण, प्रातः 9 से 10 बजे तक निःशुल्क गणित स्पेशल कोचिंग तथा दोपहर 3 से 4 बजे तक निःशुल्क स्पोकन इंग्लिश कक्षाएँ शामिल हैं, जहाँ विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अंग्रेज़ी बोलना सिखाया जाता है। विद्यालय का नियमित समय प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि खेल, भाषा कौशल और विषयगत दक्षता के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। साथ ही अभिभावकों से अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इन निःशुल्क सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया गया।

संपादकीय

समझौता संभव नहीं!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान चाहते क्या हैं? वे युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर हैं अथवा युद्धविराम का ढोंग करते रहना चाहते हैं? दुनिया की पतली आर्थिक स्थितियों और ऊर्जा-खाद्य संकट के कोहराम के लिए दोनों ही देश जिम्मेदार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट लिखी है, जिसके भाषायी मायने साफ हैं कि उन्होंने मान लिया है कि ईरान मानने लायक नहीं है, लिहाजा अब सेना के जरिए काम पूरा करना पड़ेगा। यदि ऐसा करना पड़ा, तो ईरान का वजूद ही खत्म हो जाएगा। पलटबयान में ईरान भी कम नहीं है। उसके प्रवक्ता भी खूब धमकियां देते हैं। अप्रत्याशित हथियारों की बात करते हैं। समझौते के सहमति-पत्र पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे। उसकी अपनी राष्ट्रीय और द्विपक्षीय महत्ता और गरिमा होती है, लेकिन ईरान में कट्टरपंथियों और आईआरजीसी का एक तबका ऐसा है, जो युद्ध खत्म करने के खिलाफ है। और कितना बर्बाद, खंडहर होना चाहता है ईरान? उसकी 40 फीसदी से ज्यादा आबादी गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश है। मुद्रास्फीति 65-70 फीसदी के करीब है, लिहाजा ब्रेड, मांस, खाने-पीने की आम चीजों की कीमतें 140 फीसदी तक उछल गई हैं। अर्थव्यवस्था में 8.8 से 10 फीसदी तक की गिरावट संभावित है। यह आकलन आईएमएफ का है। ईरानी मुद्रा 'रियाल' का ऐसा ऐतिहासिक पतन हुआ है, लिहाजा लोग किश्तों पर 'रोटी' खाने को विवश हैं। युद्ध में ईरान का नुकसान करीब 270 अरब डॉलर आंका गया है, जो उसकी जीडीपी के 57 फीसदी के बराबर है। और कितना दरिद्र होगा ईरान? ताजा हालात ये हैं कि अमरीकी सेना ने ईरान के 10 मिसाइल और ड्रोन के ठिकानों पर हमले किए। उसने ईरान के रडार और सर्विलांस सिस्टम को तबाह कर दिया। पलटवार में ईरान ने कुवैत के अमरीकी वायुसेना बेस और बहरीन के अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। ईरान ने कतर में भी हमले किए, लेकिन इस बार सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नहीं छुआ। शायद कोई 'मोटी डील' हो गई होगी! ईरान ने हुंकार भरी है कि होर्मुज पर उसका ही कब्जा बरकरार रहेगा। जिस जहाज, टैंकर ने उसके निर्देश नहीं माने, तो उन पर हमला कर नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। यह समझौते और युद्धविराम की कौन-सी भाषा है? इन हमलों और जंगी परिस्थितियों से स्पष्ट है कि अमरीका-ईरान के दरमियान एक ठोस, स्थायी समझौता संभव नहीं है। दोनों की मानसिकता ही समझौते की नहीं है, बल्कि वे अब भी कट्टर दुश्मन की तरह व्यवहार कर रहे हैं। दोनों के बीच जिस तरह हमले बोले जा रहे हैं, वे कोई सामान्य, छुटपुट टकराव नहीं हैं, संपूर्ण युद्ध के आक्रमण हैं। शायद इस युद्ध से अमरीकी अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन पर उतना असर न पड़े, लेकिन युद्ध के दौरान उसके भी 14 सैनिक मारे गए और 300 से अधिक घायल हुए। यह पेंटागन की ही रपट है कि 42 मानवरहित विमान, ड्रोन, लड़ाकू विमान नष्ट हुए या क्षतिग्रस्त हुए। यदि युद्ध के संदर्भ में भारत का आकलन करें, तो ईरान युद्ध से भारत को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का व्यापक आर्थिक और राजकोषीय झटका लगा है। युद्ध और आयात बिल बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11.68 अरब डॉलर कम हुआ है। भारत की औसत विकास दर भी 1 फीसदी कम हो सकती है। युद्ध के तनाव और हमलों के कारण करीब 13 लाख भारतीय प्रवासी खाड़ी देश छोड़ कर स्वदेश लौट आए हैं। उनके रोजगार का अब क्या होगा? बहरहाल यह युद्ध खत्म होना ही चाहिए।

आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि सामूहिक उत्तरदायित्व की है

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यत: पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंतत: मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है।

दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है।

आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

मोदी-पेजेश्किचान वार्ता

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति श्री मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बातचीत करके साफ कर दिया है कि दोनों देशों के बीच के प्रचीन, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सम्बन्धों की जीवन्तता को छिटपुट अवरोध कमजोर नहीं कर सकते हैं। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने इस बातचीत को बहुत ही सौहार्दपूर्ण व दोनों देशों के आपसी सम्बन्धों के लिए स्फूर्तिदायक माना है और कहा है कि श्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता स्व. आयतुल्ला खामेनेई व अन्य ईरानी उच्च अधिकारियों व नेताओं की मृत्यु पर भी गहरी शोक संवेदना प्रकट की और ईरानी सरकार व इसके लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट की। ईरान द्वारा अमेरिका के साथ युद्ध विराम समझौता किये जाने के बाद श्री मोदी की यह ईरानी नेताओं के साथ पहली बातचीत थी। श्री मोदी ने इस वार्तालाप में उम्मीद जाहिर की कि समझौते से पश्चिम एशिया के क्षेत्र में दीर्घकालिक शान्ति का मार्ग प्रशस्त होगा और फारस की खाड़ी में स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग के खुलने से विश्व के विभिन्न देशों के बीच व्यापार सुगम बनेगा। श्री खामेनेई की शहादत विगत 28 फरवरी को ईरान व अमेरिकाङ्क इजराइल के बीच युद्ध छिड़ने के अगले दिन ही हो गई थी। इसके साथ ही श्री मोदी ने ईरानी राष्टपति पेजेश्कियान को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स देशों के राष्ट्रध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में पधारने का भी न्यौता दिया।

ब्रिक्स के विदेश मन्त्रियों का सम्मेलन नई दिल्ली में पिछले महीने हुआ था जिसमें ईरानी विदेश मन्त्री भाग लेने आये थे। ईरान ने भी श्री मोदी को अपने सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामेनेई के अन्तिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमन्त्रित किया था। यह संस्कार आगामी 9 जुलाई को होना है मगर उन दिनों प्रधानमन्त्री का कुछ अन्य देशों के दौरे का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित है अत: उन्होंने साफ किया कि संस्कार में भाग लेने के लिए भारत से एक प्रतिनि?धमंडल ईरान जायेगा। बताया जा रहा है कि इसमें बिहार के राज्यपाल सैयद अता हुसनेन व विदेश राज्य मन्त्री शामिल होंगे क्योंकि विदेश मन्त्री श्री एस. जयशंकर प्रधानमन्त्री के साथ विदेश दौरे पर होंगे। ईरान व अमेरिका-इजराइल युद्ध छिड़ने के बाद से ही भारत का रुख रहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बन्द नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह विश्व अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा व्यापारिक मार्ग है और भारत की ऊर्जा सप्लाई इसी मार्ग पर निर्भर करती है। अत: श्री मोदी ने श्री पेजेश्कियान के साथ वार्ता में भारत का पक्ष खुल कर रखा और भविष्य में भारत-ईरान के बीच के व्यापारिक सम्बन्धों को भी केन्द्र में रखने की कोशिश की। इससे भारत में श्री मोदी के उन आलोचकों को बगलें झांकनी पड़ सकती हैं जो ईरान के प्रति भारत की नीति को लेकर विभिन्न प्रकार के आरोप लगा रहे थे।

भारत पारंपरिक रूप से ईरान से कच्चा तेल खरीदता रहा है। एक समय में यह अपने कुल आयातित कच्चे तेल का 30 प्रतिशत हिस्सा ईरान से खरीदता था परन्तु विश्व भू-राजनैतिक परिस्थितियों में बदलाव आने की वजह से इसने 2019 से ईरानी तेल लेना बन्द कर दिया था। भारत ईरान से जो तेल खरीदता था उसका भुगतान भी वह भारतीय रुपये में ही करता था। अब ईरान व अमेरिका के बीच समझौता होने के बाद यदि पश्चिम एशिया में चिर स्थायी शान्ति का वातावरण बनता है तो भारत के साथ इसके व्यापार करने के नये विकल्प खुल सकते हैं।

श्री पेजेश्कियान से फोन पर वार्ता के बाद प्रधाननमन्त्री श्री मोदी ने अपने एक्स पोस्ट पर जानकारी दी कि उनकी राष्ट्रपति पेजेश्कियान से पश्चिम एशिया के ताजा हालात के बारे में बातचीत हुई। उन्होंने शान्ति बातचीत के बारे में हुई प्रगति का स्वागत करते हुए कहा कि इस दिशा में किये जा रहे लगातार प्रयासों से क्षेत्र में स्थायी शान्ति स्थापित होगी। इसमें उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग की महत्ता का भी जिक्र किया। हालांकि ईरान व अमेरिका के बीच समझौता हो जाने के बाद होर्मुज मार्ग से भारत के मालवाहक जहाज आ-जा रहे हैं परन्तु खाड़ी में अभी भी भारत के एक दर्जन के लगभग जहाज खड़े हुए देखे गये हैं।

श्री मोदी ने भारत का वह पक्ष भी साफगोई के साथ रखा जिसके लिए भारत जाना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत मानता है कि किसी भी समस्या का अन्तिम हल केवल कूटनीतिक रास्तों व बातचीत से ही निकल सकता है। ईरानी सूचनाओं के अनुसार राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने युद्ध काल के दौरान भारत के सकारात्मक व रचनात्मक रुख की भी प्रशंसा की और शान्ति बहाल करने के प्रयासों में व्यक्तिगत रूप से श्री मोदी की भूमिका को सराहा। अत: अब यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत व ईऱान के बीच के सम्बन्धों का प्रवाह अनवरत रूप से जारी रहेगा और दोनों देश एक- दूसरे के हितपूरक बनते हुए कूटनीतिक मार्ग से स्थायी शान्ति की ओर बढ़ने की कोशिशों को अपना समर्थन देंगे। इसके साथ ईरान भारत की उस ताकत को भी पहचान रहा है जो उसके विभिन्न बहुदेशीय संगठनों का सक्रिय हिस्सा बनने की वजह से बनी है।

झुमकों का जादू और उनके दुश्मन

प्रतुल श्रीवास्तव

हास्य व्यंग्य

जब झुमकों का जिक्र होता है तो महिलाओं के सौंदर्य में चार चांद लगाते उनके कानों में लटकते- झूलते, मचलते झुमकों के साथ - साथ न जाने कितनी झुमकाधारी महिलाओं के चेहरे आँखों के सामने आ जाते हैं, झुमकों पर बने गीत और उन पर इठलाती हीरोइनें स्मृति में उभर आती हैं । वह गाना तो आपको याद ही होगा - ढूंढो ढूंढो रे बलमा, ढूंढो रे सजना मेरे कान का बाला। बाला गुम जाने से कितनी परेशान थी फिल्म गंगा जमुना की हीरोइन। ...और वह गाना कान में झुमका, चाल में ठुमका। मैं समझता हूं कि कान में झुमका पहनने के बाद चाल में ठुमका शायद इसलिए लगाना पड़ता है कि ठुमके के कारण झुमका हिले और देखने - चाहने वालों के दिलों की धड़कने बढ़े । यों तो अब सभी जगह अच्छे झुमके मिलने लगे हैं किन्तु पहले बरेली के झुमके बहुत प्रसिद्ध थे -झुमका बरेली वाला कानों में ऐसा डाला झुमके ने ले ली मेरी जान, हाय रे मैं तेरे कुर्बान । यहां झुमके की ताकत समझिये और अपनी प्रिया को झुमके की सरप्राइज गिफ्ट देने की योजना बनाइये, नि:संदेह आपको मनचाहा फल मिलेगा । अभी हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने भी भारतीय परम्परा वाले झुमके पहिन कर पूरी दुनिया में झुमकों का हल्ला बोल दिया है । मुझे नहीं मालुम कि मेलोनी जी को झुमके पहनने के लिए किसने प्रेरित किया अथवा उन्हें ये झुमके किसने भेंट किये ? आप चाहें तो भेंटकर्ता का अनुमान लगा सकते हैं, हो सकता है कि आपका अनुमान सही हो। बरेली शहर में बना झुमका चौराहा और वहाँ स्थापित विशाल झुमका इस बात का प्रमाण है कि हमारे देश में झुमके और झुमके पहनने वालियों का कितना सम्मान है । मैंने तो जब से इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की झुमके वाली फोटो देखी है तब से उनके प्रति मेरी श्रद्धा बढ़ गई है, वे मुझे जरा ज्यादा ही अपनी सी लगने लगी हैं । मेलोनी जी से मेरा आग्रह है कि वे जब भी भारत आएं झुमके पहिन कर ही आएं और बरेली का झुमका चौराहा घूमने अवश्य जाएं, किंतु सतर्क रहें न जाने कौन सा श्राप है कि बरेली के बाजार में महिलाओं के झुमके गिर जाया करते हैं । उल्लेखनीय है कि भारत का साहित्य झुमकों से भरा पड़ा है । झुमकों पर शायरों ने खुलकर लिखा है -

मुसीबत है ये तेरा झुमका जो तेरे गालों पर झूल गया,
कहने आया था मैं दिल की, बात और मैं भूल गया ।
तेरे कानों का झुमका देख दिल जलता है,
मुझसे बेहतर तेरा झुमका है जो गालों को चूम जाता है ।
इश्क की महाभारत में
झुमका किसी ब्रम्हास्त्र से कम नहीं ..।
जुल्फें सिर्फ बाईं तरफ न रखो,
दायां झुमका खुद को महफूज नहीं समझता ।

भाइयो अब तो आप महिलाओं से झुमकों का रिश्ता समझ ही गए होंगे । दुख की बात है कि पुलिस की सतर्कता के बाद भी टुच्चे लुटेरों द्वारा सड़क पर महिलाओं के गले से चेन खींच कर भागने की घटनाओं में तो कोई कमी नहीं आई, हां अब मोटर साइकल सवार लुटेरे महिलाओं के झुमके भी खींच कर भागने लगे हैं । इससे महिलाओं का आर्थिक नुकसान तो हो ही रहा है, कान फटने से वे लहूलुहान भी हो रही हैं । कहीं ऐसा न हो कि लूट के डर से भयभीत महिलाएं झुमके पहनना ही छोड़ दें । इससे नारी के सौंदर्य की हानि के साथ साथ झुमका साहित्य की समृद्धि भी प्रभावित होगी । लूटेरों से आग्रह है कि झुमकों पर हाथ न डालें ।

दूसरी राजधानी : जबलपुर का अधिकार ही नहीं, मध्यप्रदेश की आवश्यकता भी है

पवन शर्मा
अध्यक्ष
आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी

किसी भी बड़े राज्य की सफलता केवल उसके बजट, संसाधनों या जनसंख्या से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक ताकत इस बात में होती है कि उसका विकास कितना संतुलित है और उसकी शासन व्यवस्था जनता के कितनी निकट है। आज मध्यप्रदेश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसे अपने विकास की दिशा पर पुनर्विचार करना होगा। क्या एक विशाल भौगोलिक राज्य का प्रशासन केवल एक राजधानी से प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकता है? क्या राज्य के पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और महाकौशल क्षेत्र के लाखों नागरिकों को हर महत्वपूर्ण प्रशासनिक आवश्यकता के लिए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करना ही नियति बनी रहे? यह प्रश्न केवल जबलपुर का नहीं है। यह पूरे मध्यप्रदेश के भविष्य का प्रश्न है। इसीलिए आज जब जबलपुर को दूसरी राजधानी बनाने की चर्चा हो रही है, तो इसे किसी क्षेत्रीय आग्रह, राजनीतिक महत्वाकांक्षा या भावनात्मक आंदोलन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे मध्यप्रदेश के संतुलित विकास के अगले चरण के रूप में देखा जाना चाहिए।

विकास का संतुलन ही भविष्य की पहचान है- पिछले तीन दशकों में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भोपाल ने राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व को मजबूत किया, जबकि इंदौर आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, शिक्षा और निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा। यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

किन्तु किसी भी राज्य का विकास तब तक पूर्ण नहीं माना जा सकता, जब तक उसका प्रत्येक क्षेत्र समान अवसरों से जुड़ा न हो। महाकौशल, विंध्य, बुंदेलखंड और पूर्वी मध्यप्रदेश की विशाल आबादी आज भी प्रशासनिक दूरी, सीमित निवेश और अपेक्षाकृत कम संस्थागत विकास का अनुभव करती है। यह किसी शहर की विफलता नहीं, बल्कि एक अत्यधिक केंद्रीकृत विकास मॉडल का परिणाम है। अब समय है कि मध्यप्रदेश अपने विकास का दूसरा शक्ति केन्द्र विकसित करे। और यदि कोई शहर इसके लिए सबसे स्वाभाविक, सक्षम और ऐतिहासिक रूप से उपयुक्त है, तो वह जबलपुर है।

यह माँग भावनाओं से अधिक तर्क पर आधारित है- जबलपुर किसी कृपा का इच्छुक नहीं है। वह अपनी ऐतिहासिक प्रतिष्ठा का स्मरण अवश्य कराता है, परन्तु उसकी सबसे बड़ी ताकत उसका वर्तमान और उसकी क्षमता है।

राज्य का उच्च न्यायालय।
देश की महत्वपूर्ण सैन्य उपस्थिति।
रक्षा प्रतिष्ठानों की गौरवशाली परंपरा।
रेलवे का ऐतिहासिक महत्व।
उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान।

महाकौशल क्षेत्र का स्वाभाविक प्रशासनिक केन्द्र। भौगोलिक दृष्टि से मध्यप्रदेश के पूर्वी और मध्य भागों को जोड़ने वाली रणनीतिक स्थिति। ये सभी किसी भी दूसरे प्रशासनिक शक्ति केन्द्र के लिए आवश्यक आधार हैं।

वह जबलपुर जिसे हमने देखा था...आज की युवा पीढ़ी शायद विश्वास भी न करे कि एक समय ऐसा था जब जबलपुर को मध्य भारत का सबसे सुसंस्कृत, अनुशासित और बौद्धिक शहर माना जाता था। 1950 और 1960 के दशक का जबलपुर केवल एक शहर नहीं था-वह जीवन शैली था। चौड़ी वृक्षों से आच्छादित सड़कें। ब्रिटिश शैली की सुव्यवस्थित नगर योजना। उच्च नागरिक शिष्टाचार। साहित्यिक और सांस्कृतिक वातावरण। देश के श्रेष्ठ विद्यालय। प्रतिष्ठित महाविद्यालय।

न्यायाधीशों, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों और बुद्धिजीवियों से निर्मित एक ऐसा समाज जिसने पूरे मध्य भारत की पहचान गढ़ी। उस समय जबलपुर में केवल इमारतें नहीं थीं। एक विचार था। एक गरिमा थी। एक सांस्कृतिक आत्मविश्वास था। फिर यह शहर पीछे क्यों दिखाई देने लगा? प्रतिभा की कमी नहीं थी। संसाधनों की कमी नहीं थी। भौगोलिक महत्व कम नहीं हुआ। कम हुआ तो केवल निवेश। कम हुई तो उद्योगों की स्थापना। कम हुआ तो राजनीतिक ध्यान। और सबसे अधिक क्षति हुई प्रतिभा के पलायन से। जबलपुर का युवा डॉक्टर बनकर बाहर चला गया। इंजीनियर बाहर चला गया। वैज्ञानिक बाहर चला गया। उद्यमी बाहर चला गया। हजारों मेधावी छात्र आज भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए शहर छोड़ने को मजबूर हैं। यह केवल ब्रेन ड्रेन नहीं है। यह किसी शहर की भविष्य निर्माण क्षमता का धीरे-धीरे क्षीण होना है।

हमारी सबसे बड़ी कमी- यदि ईमानदारी से आत्ममंथन करें, तो सबसे बड़ी कमी संसाधनों की नहीं रही। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रह सामूहिक आवाज़ का अभाव। व्यापारी अलग सोचते रहे। उद्योगपति अलग। शिक्षाविद् अलग। राजनीतिक दल अलग।सामाजिक संगठन अलग। हर किसी ने अपने स्तर पर प्रयास किए, परन्तु शहर की आवाज़ कभी एक स्वर नहीं बन सकी। इतिहास गवाह है कि जिन शहरों ने अपने भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प लिया, वही आगे बढ़े। दूसरी राजधानी से बदलेगा क्या? कुछ लोग इसे केवल एक सरकारी घोषणा मानते हैं। वास्तव में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक है।

जहाँ शासन जाता है, वहाँ निवेश पहुँचता है। जहाँ निवेश पहुँचता है, वहाँ उद्योग आते हैं। जहाँ उद्योग आते हैं, वहाँ रोजगार पैदा होते हैं। जहाँ रोजगार होते हैं, वहाँ युवा रुकते हैं। जहाँ युवा रुकते हैं, वहाँ शहर जीवित रहते हैं।

दूसरी राजधानी का अर्थ होगा— बेहतर हवाई संपर्क। राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं का विस्तार। निजी निवेश में वृद्धि। होटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और सेवा क्षेत्र का तीव्र विकास। नए औद्योगिक अवसर। बेहतर अधोसंरचना। और सबसे बड़ी बात-महाकौशल क्षेत्र के करोड़ों नागरिकों को प्रशासन अपने अधिक निकट महसूस होगा। यह किसी शहर के विरुद्ध नहीं. यह भोपाल के विरुद्ध नहीं है। यह इंदौर के विरुद्ध नहीं है। भोपाल ने अपनी भूमिका उत्कृष्ट ढंग से निभाई है। इंदौर ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब आवश्यकता प्रतिस्पर्धा की नहीं, सहभागिता की है। यदि इंदौर आर्थिक राजधानी है... भोपाल राजनीतिक राजधानी है... तो जबलपुर प्रशासनिक, न्यायिक और सामरिक शक्ति केन्द्र बनने की पूरी क्षमता रखता है। मजबूत राज्य वही होता है जिसके अनेक मजबूत केन्द्र हों। अब निर्णय भविष्य का होना चाहिए हम बार-बार अतीत की चर्चा कर सकते हैं।

हम इतिहास की गलतियों पर बहस कर सकते हैं। किन्तु इतिहास बदला नहीं जा सकता। भविष्य अवश्य बनाया जा सकता है। आज आवश्यकता किसी आंदोलन से पहले एक विचार आंदोलन की है।जबलपुर के नागरिक, उद्योगपति, शिक्षाविद्, अधिवक्ता, चिकित्सक, पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि और युवा-यदि सब एक स्वर में मध्यप्रदेश के संतुलित विकास की बात करेंगे, तो यह माँग केवल जबलपुर की नहीं रहेगी। यह पूरे प्रदेश की आवाज़ बन जाएगी।

क्योंकि प्रश्न केवल इतना नहीं है कि जबलपुर दूसरी राजधानी क्यों बने।

वास्तविक प्रश्न यह है— क्या मध्यप्रदेश आने वाले पचास वर्षों तक केवल एक प्रशासनिक शक्ति केन्द्र के सहारे अपनी पूरी क्षमता प्राप्त कर सकता है? यदि उत्तर नहीं है, तो समाधान भी स्पष्ट है। मध्यप्रदेश को अपना दूसरा शक्ति केन्द्र विकसित करना ही होगा। और यदि किसी शहर के पास इतिहास, न्यायपालिका, सैन्य विरासत, शिक्षा, प्रशासनिक अनुभव, भौगोलिक संतुलन और भविष्य की संभावनाएँ-ये सभी एक साथ हैं, तो वह केवल जबलपुर है। दूसरी राजधानी की माँग किसी क्षेत्र का आग्रह नहीं है। यह मध्यप्रदेश के संतुलित, दूरदर्शी और समावेशी विकास की आवश्यकता है। और शायद समय आ गया है कि पूरा प्रदेश इस आवश्यकता को पहचाने।

संक्षिप्त समाचार

गंदगी और अमानक पॉलीथिन पर निगम ने वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम ने गंदगी फैलाने वालों और अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर गुरुवार को विभिन्न वार्डों में अभियान चलाकर 6,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वार्ड 54 जवाहर कॉलोनी कंपू, वार्ड 44, वार्ड 42 हनुमान चौराहा और वार्ड 43 में गंदगी फैलाने पर 5 हजार रुपए का जुर्माना किया। वहीं ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 64 पुरानी छावनी में अमानक पॉलीथिन के उपयोग और गंदगी फैलाने पर 1,500 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के 54 पदों पर भर्ती, 13 तक आवेदन

ग्वालियर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने महिला सशक्तिकरण और पोषण सेवाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 15 और सहायिका के 39, यानी कुल 54 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इच्छुक महिला अभ्यर्थी 13 जुलाई तक एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन 1 जुलाई से शुरू हो चुके हैं, जबकि आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 15 जुलाई तक का समय दिया गया है।

चलती ट्रेन में प्रसूता को दर्द, आरपीएफ ने दिखाई तत्परता

ग्वालियर। चलती ट्रेन में प्रसूता को दर्द हुआ तो आरपीएफ ने तत्परता दिखाते हुए महिला को ट्रेन से उतारा व उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। गाड़ी संख्या 12197 के कोच एस-3 की सीट 49 पर यात्रा कर रही करीब 20 वर्षीय गर्भवती बुलबुल को अचानक दर्द उठा। ट्रेन में मौजूद टीटीई ने मामले की जानकारी तुरंत झांसी कंट्रोल को दी। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक मनोज कुमार, आरक्षक दूजीराम मीणा एवं डिप्टी एसएस कॉमर्शियल दिनेश सिकरवार मौके पर पहुंचे और तत्काल सहायता उपलब्ध कराई।

भाजपा का बूथ स्तरीय जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रवाद और बलिदान भाजपा की वैचारिक शक्ति का आधारः सिंह

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान पखवाड़े के अंतर्गत गुरुवार को बूथ स्तरीय जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन मेला परिसर स्थित कैसल रिसोर्ट में किया गया। मुख्य वक्ता प्रदेश संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी राजनीति की आधारशिला रखी, जिसके सिद्धांतों और विचारधारा पर आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनकर कार्य कर रही है। उन्होंने डॉ. मुखर्जी के कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए किए गए ऐतिहासिक संघर्ष एवं उनके सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अमिट संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज का प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण और संगठन सुदृढ़ीकरण के कार्य में जुटा है। इसके पहले जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र प्रथम का विचार और संगठन के प्रति समर्पण प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, व्यक्तित्व, राष्ट्रसेवा एवं उनके संघर्षपूर्ण जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश में अनेक औद्योगिक प्रतिष्ठानों की स्थापना तथा औद्योगिक विकास की मजबूत नींव रखने में ऐतिहासिक योगदान दिया। संचालन राघवेंद्र शर्मा ने एवं आभार जवाहर प्रजापति ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र बरुआ, प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर, अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र यादव, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, रमेश अग्रवाल, रामनिवास गुर्जर, प्राधिकरण अध्यक्षगण अशोक जादौन, मधुसूदन भदौरिया, वेदप्रकाश शर्मा, अभय चौधरी, कमल माखीजानी, समीक्षा गुप्ता, बिट्टू तोमर, राजू पलैया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री ने किया भूमिपूजन

गोड़िया समाज को मिलेगी सामुदायिक भवन की सौगात

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने गुरुवार को लश्कर क्षेत्र के लाला का बाजार स्थित चमत्कारी हनुमान मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले गोड़िया समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र की कन्याओं के हाथों से भूमि पूजन संपन्न कराया गया।मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रस्तावित सामुदायिक भवन गोड़िया समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा समाज को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

कार्यक्रम में पार्षद संजीव पोतनीस, डॉ. राकेश गौर, नेतराम गोड़िया, सत्यपाल जादौन, त्रिलोक राठौर, जयसिंह सेंगर, रामहेत इमले, गौरव वाजपेयी, सतीश कुशवाह, मनोज भार्गव, अंकित राजपूत, शशांक साहू, नीलिमा शिंदे, शोभा राठौर, वंदना खटीक एवं ज्योति इमले सहित अन्य मौजूद रहे।

ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन की भूमिका पर प्रकाश डाला

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में गुरुवार को जनपद पंचायत मुरार की ग्राम पंचायत उदयपुर स्थित नीम पर्वत पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन का शुभारंभ किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर जाटव ने दीप प्रज्ज्वलित कर योजना का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में परंपरागत वेशभूषा में शामिल जनप्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों ने शंखनाद के साथ अभियान का विधिवत आगाज किया। विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित शंखवादक विक्रम ने लगभग पांच मिनट तक शंखनाद किया, वहीं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने भी शंख बजाकर अभियान का संदेश दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आजीविका सशक्तिकरण में मिशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। वीर नारी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल मालाओं से अतिथियों का स्वागत किया।

यूआईडीएआई के पहले अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

आधार सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में ग्वालियर को बड़ी सौगात मिली है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संचालित जिले के पहले अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ गुरुवार को सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित केंद्र पर जिलाधीश रुचिका चौहान ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी अपने आधार का अद्यतन कराया। कार्यक्रम में यूआईडीएआई राज्य कार्यालय, भोपाल के निदेशक सुमित मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जिलाधीश ने कहा कि आधार प्रत्येक नागरिक की पहचान का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है। समय-समय पर बायोमेट्रिक, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारियों का अद्यतन आवश्यक होता है। विशेष रूप से स्कूलों में प्रवेश लेने वाले बच्चों के लिए आधार अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र ग्वालियरवासियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा।

यह आधार सेवा केंद्र सप्ताह के सातों दिन संचालित रहेगा। यहां दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं के लिए अलग सेवा काउंटर बनाए गए हैं। साथ ही ऑनलाइन समय-निर्धारण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे नागरिक बिना अधिक प्रतीक्षा के अपना कार्य करा सकेंगे।

निदेशक सुमित मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में यूआईडीएआई के 12 आधार सेवा केंद्र संचालित हैं। अगले तीन महीनों में 24 और जिलों में नए केंद्र शुरू किए जाएंगे।

अचलेश्वर की दान पेटी से निकले 5.52 लाख

ग्वालियर। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर प्रशासनिक अधिकारियों और कैमरे की नजर में 13 दान पेटियां खोली गईं। इन पेटियों से 5 लाख 52 हजार 580 रुपए निकले हैं। मंदिर की पेटियों को खोलने का सिलसिला गुरुवार सुबह 10 :30 बजे शुरू हुआ जो शाम 4 बजे तक चला। रुपयों की गिनती बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा की गई। जिसमें 500 के 45, 200 के 141, 100 के 1308, 50 के 1669, 20 के 2854, 10 के 2315 और 5 के 100 नोट निकले। वहीं सिक्कों में एक और दो के 600 सिक्के निकले हैं। इसके साथ ही चांदी के नाग-नागिन, बेलपत्र, त्रिशूल, छल्ला आदि निकले हैं। इसी के साथ पेटी से कई पर्चियां भी निकली जिसमें किसी ने भगवान शिव से अपनी मासिक आय बढ़ाने और तरक्की करने की प्रार्थना की। इसी के साथ मन्नतों की कई अन्य पर्चियां भी निकली। इस मौके पर माधव रत्न पारखे, राजेश पाराशर, मुकेश अग्रवाल, रघुनाथ पटवर्धन और आनंद मोघे आदि उपस्थित रहे।

आईसीएआई की वॉकाथॉन से दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ग्वालियर ब्रांच ने ग्वालियर पुलिस के सहयोग से 'सीए वॉकाथॉन सेफ क्लिक 2.0' का आयोजन किया। सीए सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इस वॉकाथॉन का उद्देश्य नागरिकों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने, साइबर अपराधों से बचाव तथा सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के महत्व पर संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताते हुए किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने की अपील की। आयोजित कार्यक्रम में ब्रांच की अध्यक्ष सीए निधि अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीए पंकज शर्मा, सचिव सीए विवेक कुमार जैन, गगन जैन, नगेंद्र सिंह कुशवाह, मयूर गर्ग ने साइबर सुरक्षा संबंधी संदेशों के साथ जनजागरूकता का संदेश दिया।

गौशाला में पौधरोपण कर गौसेवा व प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कृष्णपिंगला संकष्टी चतुर्थी के पावन अवसर पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने श्रीकृष्णायन आदर्श गौशाला, मुरार पहुंचकर संतों के सानिध्य में भगवान श्रीगणेश का पूजन, गुरु वंदन एवं गौ-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने गौशाला परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया तथा गौसेवा एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। श्री सिंह ने गोबर आधारित बायो-सीएनजी संयंत्र, नवनिर्मित गौशाला शेड, भूसा भंडार गृह, गोबर गैस प्लांट, गौमाताओं के विचरण क्षेत्र, आहार एवं जल व्यवस्था सहित विभिन्न प्रकल्पों का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौसेवा ही राष्ट्रसेवा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संतों के सम्मान, गौसंरक्षण, प्रकृति संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्णायन आदर्श गौशाला देश की चुनिंदा गौशालाओं में से एक है, जहां लगभग 10 हजार निराश्रित गौमाताओं की सेवा अत्यंत समर्पण और वैज्ञानिक व्यवस्थाओं के साथ की जा रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सभापति मनोज तोमर, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्येन्द्र शर्मा, पार्षद बृजेश श्रीवास एवं गौसेवकों ने गोबर से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल माला एवं अंगवस्त्र पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

15 दिन में शेष समस्याओं के समाधान का प्रबंधन ने दिया आश्वासन

अभाविप का एमएलबी कॉलेज में प्रदर्शन मूलभूत सुविधाओं की उठाई आवाज

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरुवार को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उत्कृष्ट महाविद्यालय (एमएलबी) में विद्यार्थियों की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आंदोलन किया। संगठन ने परिसर में व्याप्त विभिन्न अव्यवस्थाओं और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी को लेकर कॉलेज प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

अभाविप ने बताया कि लगभग 10 दिन पूर्व प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर विद्यार्थियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी, जिन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के बाद आंदोलन करना पड़ा। संगठन ने प्रमुख रूप से विद्यार्थियों को समय पर परिचय पत्र उपलब्ध कराने, परिसर एवं शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी लगाने तथा बाहरी व्यक्तियों के अनियंत्रित प्रवेश पर रोक लगाने की मांग उठाई। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था, शुद्ध पेयजल हेतु आरओ एवं वाटर कूलर, गर्ल्स कॉमन रूम, पुस्तकालय में नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तकें तथा कंप्यूटर प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने की मांग भी की गई। साथ ही छात्राओं के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन, नशामुक्त परिसर, अतिक्रमण हटाने, विद्युत उपकरणों की मरम्मत, कैंटीन की व्यवस्था तथा दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा की भी मांग रखी गई। एनसीसी एवं फिजिकल एजुकेशन की नियमित कक्षाओं के संचालन की मांग पर भी अभाविप ने जोर दिया। आंदोलन के बाद महाविद्यालय प्रबंधन ने संगठन की 11 मांगों पर तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया, जबकि शेष मांगों पर 15 दिनों के भीतर सकारात्मक निर्णय लेने की बात कही गई। अभाविप ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयसीमा में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

चिकित्सकों ने बच्चों को बताया स्वस्थ जीवन का महत्व

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

द रेडिएंट स्कूल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के संचालक अर्जुन गुप्ता, सह-संचालिका प्रिया गुप्ता एवं प्राचार्य ब्रह्मजीत सिंह ने अतिथि चिकित्सकों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जय शर्मा, शल्य चिकित्सक डॉ. अभिनव गुप्ता, डॉ. दीपा अवस्थी तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निखिल जैन ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। चिकित्सकों ने बच्चों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच भी की और पौष्टिक भोजन, आंखों की देखभाल, कान-नाक-गले की स्वच्छता, नियमित व्यायाम तथा मोबाइल की स्क्रीन से दूरी बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध कॅरियर के अवसरों की भी जानकारी दी।

प्राचार्य ब्रह्मजीत सिंह ने कहा कि चिकित्सक समाज के सच्चे रक्षक हैं, जिनका जीवन सेवा, समर्पण और मानवता का श्रेष्ठ उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से बचपन से ही स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

बरेली जाने वालों की बढ़ेगी मुश्किल, एक महीने तक नहीं चलेंगी ट्रेन

ग्वालियर। बरेली जंक्शन पर 30 दिन के मेगा ब्लॉक के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे ने मरम्मत और अपग्रेडेशन कार्य के चलते बरेली से मुंबई और इंदौर जाने वाली दो प्रमुख लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों को एक महीने के लिए रद्द कर दिया है। इन ट्रेनों में टिकट बुकिंग भी बंद कर दी गई है, जिससे यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यार्ड की पुरानी वाशिंग लाइन संख्या 36 और 37 के आधुनिकीकरण के लिए 5 जुलाई से 3 अगस्त तक मेगा ब्लॉक रहेगा। इसके चलते बरेली-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस 11 जुलाई से 3 अगस्त तक और बरेली-इंदौर एक्सप्रेस 8 जुलाई से 30 जुलाई तक संचालित नहीं होगी।

अवैध खनन रोकने के लिए पहुंच मार्ग अवरुद्ध करने की कार्रवाई शुरू

मैदान में उतरी खनिज विभाग की टीम, रेत खदानों के रास्ते किए बंद

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में वर्षा ऋतु के दौरान रेत के अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश के बाद खनिज विभाग की टीम मैदान में उतर गई है। गत दिवस जिलाधीश ने मानसून अवधि में सभी रेत खदानों पर खनन पूरी तरह बंद रखने के निर्देश जारी किए थे। इसके बाद गुरुवार से खनिज विभाग ने जिले की रेत खदानों के पहुंच मार्ग बंद कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है, ताकि प्रतिबंधित अवधि में किसी भी प्रकार का अवैध खनन न हो सके।

खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले की सभी रेत खदानों में 30 जून की मध्यरात्रि से 30 सितंबर तक खनन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसी के तहत विभागीय टीमें विभिन्न खदानों पर पहुंचकर रास्ते अवरुद्ध करा रही हैं और स्थिति की निगरानी भी कर रही हैं।

जिलाधीश ने अनुबंधित ठेकेदारों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही रेत निकासी के लिए नदियों में बनाई गई अस्थायी पुलिया, पहुंच मार्ग तथा सड़क निर्माण के लिए डाली गई मिट्टी, मुरम एवं अन्य सामग्री को जल प्रवाह क्षेत्र से तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि वर्षा के दौरान नदियों का प्राकृतिक प्रवाह बाधित न हो।

आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस अधीक्षक, सभी एसडीएम, तहसीलदार, खनिज निगम तथा सहायक खनिज अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही प्रतिबंध अवधि में ई-खनिज पोर्टल से ई-टीपी जारी करने पर भी रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बहीखाता: अतीत से डिजिटल भविष्य तक की यात्रा

बहीखाता, लेखा-जोखा रखने की एक व्यवस्थित प्रणाली, जो व्यापार और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण अंग है। इसके माध्यम से किसी व्यक्ति, संस्था या व्यवसाय की आय, व्यय, लाभ, हानि तथा संपत्तियों का व्यवस्थित विवरण रखा जाता है। यह केवल रिकॉर्ड रखने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक प्रबंधन और निर्णय लेने का आधार भी है। प्राचीन हस्तलिखित बहियों से लेकर आधुनिक डिजिटल लेखांकन तक इसकी यात्रा निरंतर प्रगति की कहानी है। वर्तमान और भविष्य दोनों में यह आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता और व्यापारिक सफलता का आधार बना रहेगा। तकनीक बदल सकती है, लेकिन बहीखाता का महत्व कभी कम नहीं होगा।

बहीखाता का इतिहास

मानव सभ्यता के विकास के साथ ही व्यापार और वस्तु-विनिमय की व्यवस्था शुरू हुई। प्रारंभ में लोग मिट्टी की तख्तियों, पत्थरों और ताड़पत्रों पर लेन-देन का विवरण रखते थे। प्राचीन मेसोपोटामिया, मिस्र और भारत में भी लेखा-जोखा रखने की विभिन्न प्रणालियाँ विकसित थीं। भारत में प्राचीन काल से ही व्यापारी वर्ग, विशेषकर वैश्य समुदाय, हस्तलिखित बहियों का उपयोग करता था। इन बहियों में उधार, जमा, खर्च और लाभ का विस्तृत विवरण रखा जाता था। दीपावली पर नई बही शुरू करने की परंपरा भारतीय व्यापार संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

आधुनिक बहीखाता प्रणाली का विकास

15वीं शताब्दी में इटली के गणितज्ञ लुका पैचिओली ने आधुनिक बहीखाता प्रणाली की नींव रखी। उन्होंने दोहरे लेखा प्रणाली का सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसमें प्रत्येक लेन-देन को दो खातों, डेबिट और क्रेडिट में दर्ज किया जाता है। यह प्रणाली आज भी लेखांकन का आधार है। औद्योगिक क्रांति के बाद व्यापार के विस्तार के साथ बहीखाता और अधिक महत्वपूर्ण हो गया। 20वीं शताब्दी में कंप्यूटर के आगमन से लेखांकन में क्रांतिकारी परिवर्तन

आया और आज अधिकतर कार्य डिजिटल सॉफ्टवेयर के माध्यम से होने लगे हैं।

भविष्य में बहीखाता की आवश्यकता

भविष्य में भी बहीखाता की आवश्यकता कई कारणों से बनी रहेगी। सबसे पहले, यह वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और व्यवसाय की वास्तविक आर्थिक स्थिति को स्पष्ट करता है, जिससे सही निर्णय लेना संभव होता है। दूसरे, कर संबंधी नियमों के पालन के लिए सटीक और व्यवस्थित लेखा-जोखा आवश्यक है। तीसरे, डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ ऑनलाइन व्यापार और ई-कॉमर्स में लेन-देन तेजी से बढ़ रहा है, जिससे डिजिटल बहीखाता प्रणाली और अधिक आवश्यक हो गई है। चौथे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्लाउड कंप्यूटिंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें लेखांकन को अधिक तेज, सुरक्षित और सटीक बना रही हैं।

भविष्य में बहीखाता का मुख्य उद्देश्य

भविष्य में बहीखाता का मुख्य उद्देश्य वित्तीय लेन-देन का सही, व्यवस्थित और पारदर्शी रिकॉर्ड रखना होगा। यह आय, व्यय, लाभ, हानि, संपत्ति और देनदारियों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह कर अनुपालन सुनिश्चित करेगा, धोखाधड़ी और त्रुटियों को कम करेगा तथा व्यवसाय की दक्षता बढ़ाएगा। निवेशकों, बैंकों और अन्य हितधारकों को विश्वसनीय वित्तीय जानकारी उपलब्ध कराना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य रहेगा।

रवि शंकर चौबे
उप प्राचार्य
हितकारिणी
हायर सेकेंडरी स्कूल
गोरखपुर, जबलपुर

ईआरपी सॉफ्टवेयर: संभालें पूरे बिजनेस का हिसाब-किताब

आज के डिजिटल दौर में छोटे से लेकर बड़े उद्योग तक अपने कामकाज को तेज, सटीक और व्यवस्थित बनाने के लिए ईआरपी सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे हैं। पहले किसी कंपनी में अकाउंट्स, बिक्री, स्टॉक, खरीद, कर्मचारियों का रिकॉर्ड और उत्पादन जैसी जानकारी अलग-अलग रजिस्टर या सॉफ्टवेयर में रखी जाती थी। इससे समय अधिक लगता था और गलतियों की संभावना भी बढ़ जाती थी। ईआरपी

सॉफ्टवेयर इन सभी विभागों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ देता है, जिससे पूरे व्यवसाय का प्रबंधन आसान और अधिक प्रभावी हो जाता है।

ईआरपी सॉफ्टवेयर क्या है?

यह एक ऐसा बिजनेस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर है, जो किसी संस्था या कंपनी के सभी प्रमुख विभागों, जैसे अकाउंटिंग, फाइनेंस, खरीद, बिक्री, इन्वेंट्री, मानव संसाधन, उत्पादन और ग्राहक प्रबंधन को एक ही सिस्टम में जोड़कर काम करने की सुविधा देता है। इससे सभी विभागों का डेटा एक ही डेटाबेस में सुरक्षित रहता है और जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाती है।

कैसे करता है काम?

जब किसी कंपनी में कोई नया ऑर्डर आता है, तो ईआरपी सॉफ्टवेयर उसकी जानकारी बिक्री विभाग से लेकर स्टॉक, अकाउंट्स और डिलीवरी विभाग तक स्वत: पहुंचा देता है। यदि स्टॉक कम है, तो खरीद विभाग को भी इसकी सूचना मिल जाती है। इस तरह अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय बना रहता है और काम तेजी से पूरा होता है।

ईआरपी सॉफ्टवेयर की प्रमुख विशेषताएँ

यह सॉफ्टवेयर सभी विभागों का डेटा एक ही स्थान पर सुरक्षित रखता है। यह रियल-टाइम रिपोर्ट तैयार करता है, जिससे व्यवसाय की वर्तमान स्थिति तुरंत पता चल जाती है। इसमें ऑटोमेशन की सुविधा होती है, जिससे बार-बार होने वाले कार्य अपने-आप पूरे हो जाते हैं। साथ ही डेटा की सुरक्षा बेहतर होती है और रिपोर्ट तैयार करने में समय की बचत होती है।

ईआरपी सॉफ्टवेयर के फायदे

सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे काम की गति बढ़ती है और मानवीय गलतियाँ कम होती हैं। सभी विभागों का डेटा एकीकृत होने से निर्णय लेना आसान हो जाता है। लागत में कमी आती है, उत्पादकता बढ़ती है और ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलती है। इसके अलावा टैक्स, ऑडिट और वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना भी अधिक सरल हो जाता है।

ईआरपी सीखने से करियर में क्या लाभ?

आज ईआरपी का ज्ञान रखने वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। अकाउंट्स, फाइनेंस, सप्लाई चेन, एचआर, डेटा एनालिटिक्स और आईटी सेक्टर में ईआरपी विशेषज्ञों के लिए अच्छे करियर अवसर उपलब्ध हैं। बीकॉम, बीबीए, एमबीए, सीए, और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए ईआरपी सीखना अतिरिक्त कौशल साबित हो सकता है।

भ्रामक विज्ञापनों का जाल और उपभोक्ता संरक्षण

वर्तमान समय में विज्ञापन, व्यापार और विपणन का सबसे प्रभावी माध्यम बन गया है। टेलीविजन, समाचार-पत्र, रेडियो, इंटरनेट तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिदिन अनेक विज्ञापन हमारे सामने आते हैं। इनका उद्देश्य उपभोक्ताओं को किसी उत्पाद या सेवा की ओर आकर्षित करना होता है। किंतु जब किसी वस्तु या सेवा के संबंध में झूठी, अधूरी अथवा अतिरंजित जानकारी देकर उपभोक्ताओं को भ्रमित किया जाता है, तो उसे भ्रामक विज्ञापन कहा जाता है। ऐसे विज्ञापन उपभोक्ताओं को आर्थिक, मानसिक तथा स्वास्थ्य संबंधी हानि पहुँचा सकते हैं।

भ्रामक विज्ञापनों की समस्या

आज अनेक कंपनियाँ अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए अवास्तविक दावे करती हैं। कुछ सौंदर्य प्रसाधन कुछ ही दिनों में गोरा बनाने का दावा करते हैं, तो कई स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण के गंभीर बीमारियों को ठीक करने की बात करते हैं। इसी प्रकार ऑनलाइन खरीदारी में भारी छूट और आकर्षक ऑफर दिखाकर उपभोक्ताओं को लुभाया जाता है, लेकिन वास्तविक उत्पाद विज्ञापन के अनुरूप नहीं होता। ऐसे विज्ञापन उपभोक्ताओं के विश्वास को ठेस पहुँचाते हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान भी होता है।

उपभोक्त । संरक्षण का महत्व

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 लागू किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सुरक्षा, सूचना प्राप्त करने, उचित चयन करने, शिकायत दर्ज कराने तथा क्षतिपूर्ति प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। यह संस्था दोषी कंपनियों, निर्माताओं तथा विज्ञापनदाताओं पर कार्रवाई कर सकती है और भ्रामक विज्ञापनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश भी दे सकती है।

जागरूक उपभोक्ता की भूमिका

केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं का जागरूक होना भी आवश्यक है। किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता, मूल्य, निर्माण एवं समाप्ति तिथि, वारंटी तथा उपयोग संबंधी जानकारी अवश्य जाँचनी चाहिए। विज्ञापनों में किए गए दावों पर बिना सत्यापन के विश्वास नहीं करना चाहिए। खरीदारी का बिल सुरक्षित रखना तथा आवश्यकता पड़ने पर शिकायत दर्ज कराना प्रत्येक उपभोक्ता का अधिकार और जिम्मेदारी है।

भ्रामक विज्ञापन स्वस्थ बाजार व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। इनसे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय उपभोक्ता जागरूकता है। सरकार, कंपनियों और उपभोक्ताओं सभी को ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का पालन करना चाहिए। जागरूक उपभोक्ता ही अपने अधिकारों का सबसे बड़ा रक्षक होता है।

शैलजा पटेरिया
शिक्षक
के. सी. हितकारिणी
चिल्ड्रेन्स एकेडमी
जोन्सगंज, जबलपुर

डिजिटल दौर में कॉमर्स छात्रों के लिए सबसे जरूरी कम्प्यूटर स्किल्स

आज का व्यापार और वित्तीय जगत तेजी से डिजिटल होता जा रहा है। पहले जहां अकाउंटिंग और बैंकिंग का अधिकांश काम कागजों पर होता था, वहीं अब लगभग हर प्रक्रिया कंप्यूटर और आधुनिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूरी की जाती है। ऐसे में केवल कॉमर्स की डिग्री होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कंप्यूटर स्किल्स का ज्ञान भी उतना ही आवश्यक हो गया है। सही तकनीकी कौशल आपके करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

एमएस एक्सल में दक्षता

कॉमर्स छात्रों के लिए एमएस एक्सल सबसे महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर है। इसमें डेटा एंट्री, बजट, वित्तीय विश्लेषण, रिपोर्ट, चार्ट और विभिन्न प्रकार की गणनाएं की जाती हैं। बेसिक फीचर्स के साथ, पिवट टेबिल, लुकअप फंक्शन, लॉजिकल फंक्शन, चार्ट और ग्राफ, डेटा वैलिडेशन जैसे फीचर सीखना बेहद लाभदायक होता है।

टेली प्राइम और अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर

आज अधिकांश कंपनियां अकाउंटिंग के लिए टेली प्राइम, बिजी, जोहो बुक्स और अन्य ईआरपी सॉफ्टवेयर का उपयोग करती हैं। इनकी मदद से बहीखाता, जीएसटी, इनवॉइस, स्टॉक मैनेजमेंट और वित्तीय रिपोर्ट तैयार की जाती हैं।

एमएस वर्डस और पावर प्वाइंट

रिपोर्ट, प्रोजेक्ट, बिजनेस लेटर, रिज्यूमे और प्रेजेंटेशन तैयार करने के लिए एमएस वर्डस और पावर प्वाइंट का ज्ञान आवश्यक है। यह कौशल कॉलेज और नौकरी दोनों में उपयोगी साबित होता है।

डिजिटल बैंकिंग की समझ

यूपीआई, एनईएफ्टी, आरटीजीएस, आइएमपीएस नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाओं का ज्ञान आधुनिक वित्तीय प्रणाली को समझने के लिए बेहद जरूरी है।

डेटा एनालिसिस

व्यापारिक निर्णय सही डेटा पर आधारित होते हैं। इसलिए डेटा को पढ़ना, समझना और उसका विश्लेषण करना आज हर कॉमर्स छात्र के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल बन चुका है।

इंटरनेट और ऑनलाइन रिसर्च

विश्वसनीय वेबसाइटों से जानकारी प्राप्त करना, सरकारी पोर्टलों का उपयोग करना, ऑनलाइन आवेदन भरना और डिजिटल दस्तावेजों का प्रबंधन करना भी आवश्यक कौशल है।

साइबर सुरक्षा का ज्ञान

वित्तीय जानकारी हमेशा संवेदनशील होती है। इसलिए मजबूत पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, फिशिंग से बचाव और सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन की जानकारी होना जरूरी है।

क्लाउड स्टोरेज का उपयोग

गूगल ड्राइव, वन ड्राइव और ड्रॉप बॉक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर फाइलों को सुरक्षित रखना, साझा करना और कहीं से भी एक्सेस करना सीखना आज की आवश्यकता है।

ईआरपी की जानकारी

बड़ी कंपनियां ईआरपी सॉफ्टवेयर के माध्यम से अकाउंटिंग, खरीद, बिक्री, इन्वेंटरी और मानव संसाधन का प्रबंधन करती हैं। इसकी मूल जानकारी करियर में अतिरिक्त लाभ देती है।

एआई और ऑटोमेशन टूल्स

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से डेटा विश्लेषण, रिपोर्ट तैयार करना, ईमेल ड्राफ्ट करना उत्पादकता बढ़ाना आसान हो गया है।

जानिए ब्रांड वैल्यू का असली मतलब

क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे महंगा ब्रांड कौन-सा है? किसी कंपनी की पहचान केवल उसके उत्पादों से नहीं होती, बल्कि उसके ब्रांड से भी होती है। ब्रांड वैल्यू यह दर्शाती है कि ग्राहक उस कंपनी पर कितना भरोसा करते हैं और भविष्य में उससे कितनी कमाई की उम्मीद की जाती है। इसी आधार पर हर साल दुनिया के सबसे मूल्यवान ब्रांडों की सूची जारी की जाती है।

दुनिया का सबसे महंगा ब्रांड

हाल के वर्षों में एप्पल लगातार दुनिया के सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शीर्ष स्थान पर रहा है। इसकी ब्रांड वैल्यू सैकड़ों अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। आईफोन, आईपेड, मेक, एप्पल वॉच और इसकी सेवाओं ने इसे वैश्विक स्तर पर बेहद मजबूत पहचान दिलाई है।

ब्रांड वैल्यू क्या होती है?

ब्रांड वैल्यू का अर्थ केवल कंपनी की कुल संपत्ति नहीं है। यह उस नाम की आर्थिक ताकत है, जो ग्राहकों के विश्वास, गुणवत्ता, नवाचार, लोकप्रियता और बाजार में प्रतिष्ठा के कारण बनती है।

कई बार किसी कंपनी का ब्रांड उसके कारखानों और मशीनों से भी अधिक मूल्यवान होता है।

ब्रांड इतना मूल्यवान कैसे बनता है?

उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं

- ग्राहकों का वर्षों का भरोसा
- लगातार नवाचार और नई तकनीक
- प्रभावी मार्केटिंग और विज्ञापन
- मजबूत ग्राहक अनुभव और वैश्विक पहचान

दुनिया का सबसे महंगा ब्रांड केवल अधिक उत्पाद बेचने से नहीं बनता, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध से बनता है। यही कारण है कि एक मजबूत ब्रांड किसी भी कंपनी की सबसे बड़ी अमूर्त संपत्ति माना जाता है।

कंप्यूटर वायरस कैसे आपके सिस्टम तक पहुंचता है

आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर और इंटरनेट हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जितनी तेजी से तकनीक विकसित हुई है, उतनी ही तेजी से साइबर खतरों में भी बढ़ोतरी हुई है। इनमें सबसे आम खतरा कंप्यूटर वायरस है। यह एक हानिकारक प्रोग्राम होता है, जो कंप्यूटर में प्रवेश कर फाइलों को नुकसान पहुंचा सकता है, डेटा चुरा सकता है और पूरे सिस्टम की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कंप्यूटर वायरस आखिर फैलता कैसे है और इससे बचाव के क्या उपाय हैं।

कंप्यूटर वायरस क्या होता है?

कंप्यूटर वायरस एक मैलिशियस सॉफ्टवेयर है, जिसे इस तरह बनाया जाता है कि यह खुद को दूसरी फाइलों या प्रोग्रामों से जोड़कर तेजी से फैल सके। जैसे जैविक वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है, उसी तरह कंप्यूटर वायरस भी एक डिवाइस से दूसरी डिवाइस तक पहुंच सकता है।

कैसे फैलते हैं ये वायरस ?

वायरस कई माध्यमों से कंप्यूटर में प्रवेश कर सकते हैं। सबसे आम तरीका इंटरनेट से संक्रमित फाइल या सॉफ्टवेयर डाउनलोड करना है। इसके अलावा ई-मेल में आए संदिग्ध अटैचमेंट खोलने, पायरेटेड सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने, सवंमित यूएसबी पेन ड्राइव का उपयोग करने और असुरक्षित वेबसाइटों पर जाने से भी वायरस फैल सकते हैं। कई बार फर्जी विज्ञापनों या पॉप-अप लिंक पर क्लिक करने से भी मैलवेयर सिस्टम में प्रवेश कर जाता है।

क्या नुकसान हो सकता है?

कंप्यूटर वायरस फाइलों को डिलीट या करप्ट कर सकता है, सिस्टम की गति धीमी कर सकता है, महत्वपूर्ण डेटा चोरी कर सकता है और कई मामलों में पूरे ऑपरेटिंग सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है। कुछ वायरस बैंकिंग जानकारी, पासवर्ड और व्यक्तिगत दस्तावेज भी चुरा लेते हैं, जिससे आर्थिक और गोपनीयता संबंधी नुकसान हो सकता है।

कैसे करें वायरस से बचाव ?

कंप्यूटर को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा भरोसेमंद एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें और उसे नियमित रूप से अपडेट करें। केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही सॉफ्टवेयर डाउनलोड करें। अज्ञात ई-मेल अटैचमेंट या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। यूएसबी ड्राइव का उपयोग करने से पहले उसे स्कैन करें और अपने ऑपरेटिंग सिस्टम तथा सभी सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अपडेट करते रहें। महत्वपूर्ण डेटा का नियमित बैकअप लेना भी एक अच्छी सुरक्षा आदत है।

क्या मोबाइल फोन भी वायरस से संक्रमित हो सकते हैं?

हाँ। एंड्रॉयड और अन्य स्मार्टफोन भी मैलवेयर का शिकार हो सकते हैं, खासकर जब ऐप्स आधिकारिक ऐप स्टोर के बजाय अज्ञात स्रोतों से डाउनलोड किए जाएँ। इसलिए मोबाइल में भी केवल विश्वसनीय ऐप्स इंस्टॉल करें और सुरक्षा अपडेट नियमित रूप से करते रहें। डिजिटल दुनिया में जागरूकता ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है।

फुटबॉल विश्वकप : 86वें मिनट तक 0-2 से पीछे था बेल्जियम: आखिरी 4 मिनट में बराबरी, सेनेगल से विवादित पेनल्टी में जीता

यूरी टिलेमंस के दो गोल से बेल्जियम ने सेनेगल को हराया

टिलेमंस ने दबाव में शानदार गोल करते हुए बेल्जियम को 3-2 की ऐतिहासिक जीत दिला दी।

एजेंसी, सिएटल

बेल्जियम ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में गुरुवार को 86वें मिनट तक दो गोल से पिछड़ने के बावजूद एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल को 3-2 से हराया। अब उसका मुकाबला मेजबान अमेरिका से होगा। अमेरिकी टीम ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 2-0 से हराया। सिएटल स्टेडियम में बेल्जियम के रोमेलु लुकाकू ने 86वें मिनट में पहला गोल किया। फिर यूरी टिलेमंस ने 89वें मिनट में बराबरी दिलाई। उन्होंने एक्स्ट्रा टाइम में 125वें मिनट में विवादित पेनल्टी पर विनिंग गोल किया। इससे पहले बेल्जियम ने 2018 वर्ल्ड कप नॉकआउट में जापान के खिलाफ 0-2 से पिछड़कर 3-2 से जीत हासिल की थी। इधर, सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने 45वें मिनट में गोल किया और हाफ टाइम से पहले टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उन्हें 64वें मिनट में रेड कार्ड दिखया गया। ऐसे में मालिक टिलमैन ने 82वें मिनट में गोल किया। सेनेगल ने 25वें मिनट में हबीब डियारा के गोल से बढ़त बनाई। 51वें मिनट में इस्माइला सार ने मौसा नियाखाते की लंबी पास को नियंत्रित करते हुए गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह सार का मौजूदा वर्ल्ड कप में चौथा गोल रहा। दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट उतरे रोमेलु लुकाकू ने 86वें मिनट में गोल कर बेल्जियम की वापसी की शुरुआत की। इसके तीन मिनट बाद कप्तान यूरी टिलेमंस ने बराबरी का गोल दागकर मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। मैच पेनल्टी शूटआउट में जाता दिख रहा था, तभी अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में लैमिन कमारा ने टिलेमंस को बॉक्स के भीतर धक्का दिया। वीडियो रिव्यू के बाद रेफरी ने पेनल्टी दी। टिलेमंस ने दबाव में शानदार गोल करते हुए बेल्जियम को 3-2 की ऐतिहासिक जीत दिला दी। एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार यह वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे देर से हुआ निर्णायक गोल है।

पेनल्टी फैसले पर सेनेगल की नाराजगी

पेनल्टी दिए जाने के बाद सेनेगल के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसले का विरोध किया। डिफेंडर पाथे सिस पेनल्टी स्पॉट पर लेट गए, जबकि अन्य खिलाड़ी भी रेफरी से बहस करते रहे। सेनेगल के कोच पापे थियाव ने कहा, 'हमें नहीं लगा कि यह पेनल्टी थी। खिलाड़ियों ने फैसले का विरोध किया, लेकिन निर्णय हो चुका था और अंततः उसी की वजह से हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए।'

हैरी केन के डबल गोल से जीता इंग्लैंड

कांगो डीआर को 2-1 से हराया; राउंड-16 में मैक्सिको से मुकाबला होगा

इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में कांगो डीआर को 2-1 से हरा दिया। अटलांटा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड पहले हाफ तक पीछे थी। दूसरे हाफ में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने 2 गोल कर टीम को जीत दिला दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई है। जहां उसका मेक्सिको से मुकाबला होगा। यह मैच भारतीय समयानुसार 6 जुलाई को मैक्सिको स्टेडियम में खेला जाएगा। पहली बार वर्ल्ड कप का नॉकआउट मैच खेल रही कांगो डीआर ने शुरुआत में ही गोल दागकर सबको चौंका दिया। मैच के 7वें मिनट में चांसल म्बेंबा के पास पर ब्रायन सिपेंगा ने लो-शॉट लगाया। गेंद इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए गोल पोस्ट में चली गई। यह ब्रायन का पहला इंटरनेशनल गोल था।

हैरी केन ने आखिरी 15 मिनट में खेल पलटा

कांगो की डिफेंस और गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार खेल दिखाया। म्पासी ने पहले हाफ में कई बेहतरीन सेव करके इंग्लैंड के अटैक को रोके रखा। हाफ टाइम तक कांगो 1-0 से आगे थी। मैच के 75वें मिनट में इंग्लैंड की ओर से बराबरी का गोल आया। यह गोल इंग्लैंड के स्टार फॉरवर्ड हैरी केन ने किया। एंथनी गॉर्डन के शानदार पास किया, जिसपर केन ने दमदार हेडर के जरिए गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिलाई। इसके ठीक 11 मिनट बाद यानी 86वें मिनट में केन ने गोल दागकर इंग्लैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी। इस बार केन ने म्पासी को छकाते हुए गेंद को टॉप कॉर्नर में डाल दिया।

10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अमेरिका ने बोस्निया को हराया, अंतिम-16 में प्रवेश किया

सैन फ्रांसिस्को। दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अमेरिका ने बुधवार को बोस्निया और हर्जेगोविना को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। अमेरिका ने पहले हाफ के अंतिम क्षणों में बढ़त हासिल की। फोलारिन बालोगुन ने बॉक्स में मिले मौके का शानदार फायदा उठाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे हाफ में अमेरिका को बड़ा झटका लगा। 64वें मिनट में बालोगुन को बोस्निया के खिलाड़ी तारिक मुहरेमोविच पर खतरनाक टैकल करने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया, जिसके बाद अमेरिका को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद अमेरिका ने बेहतरीन संयम दिखाया और 82वें मिनट में मालिक टिलमैन ने बॉक्स के बाहर से शानदार फ्री-किक पर गोल दागकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। अंत तक बोस्निया वापसी नहीं कर सका और अमेरिका ने मुकाबला जीतकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली।

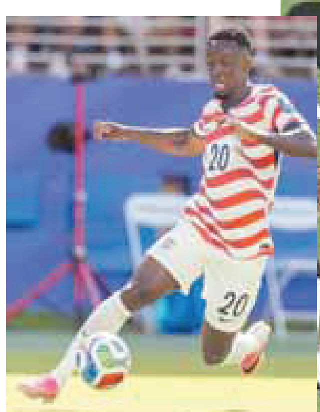

विंबलडन : जोकोविच ने सितसिपास को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी, लंदन

सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने बुधवार को विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे दौर में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में 39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज ने शुरू से अंत तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। लगभग दो घंटे तक चले इस मुकाबले में जोकोविच ने अनुभव और सटीक खेल का शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे सेट के आठवें गेम में सितसिपास के पास ब्रेक प्वाइंट बचाने का शानदार मौका था, लेकिन उन्होंने लगातार दो आसान स्मैश बाहर मार दिए। जोकोविच ने इस गलती का

पूरा फायदा उठाते हुए सर्विस ब्रेक किया और इसके बाद सितसिपास की वापसी की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो गई। इस जीत के साथ जोकोविच ने सितसिपास के खिलाफ लगातार 12वीं जीत दर्ज की। अब तीसरे दौर में उनका मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच से होगा। जोकोविच आठवां विंबलडन खिताब और रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की दौड़ में बने हुए हैं। जब आप इस तरह का टेनिस खेलते हैं तो कोर्ट पर बेहद खुशी और संतुष्टि महसूस होती है। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलना हमेशा मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इन पलों को कभी हल्के में नहीं लेता। उन्होंने आगे कहा,₹उम्र सिर्फ एक संख्या है। 30 वर्ष से अधिक की उम्र में भी इस कोर्ट पर उतरना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वहीं, सितसिपास के लिए यह हार एक और बड़ा झटका साबित हुई।

डीपीएल सीजन-3: दिग्वेश राठी और अनुज रावत से सजी पुरानी दिल्ली-6 की टीम

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के तीसरे सीजन के लिए पुरानी दिल्ली-6 ने बुधवार को हुए खिलाड़ी नीलामी के बाद अपनी 25 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम ने अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित संयोजन तैयार किया है। फ्रेंचाइजी ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह ललित यादव को टीम में शामिल किया है। पंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के कारण डीपीएल के इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

पुरानी दिल्ली-6 की टीम (डीपीएल सीजन-3): ललित यादव, उधव मोहन, राजनीश दादर, रोहन राणा, आर्यन गौर, वनम अग्रवाल, अजय अहलावत, कुश नागपाल, दिग्वेश राठी, युग गुप्ता, कबीर सचदेवा, गौरव सरोहा, देव लाकड़ा, अनुज रावत, समर्थ सेठ, मोहक कुमार, यश कुमार, पंकज जसवाल, हर्षवर्धन फोगाट, अर्जुन रेक्सवाल, लक्ष्य वर्मा, प्रिंस मिश्रा, अश्विनी चिल्लर, आदित्य वर्मा और आदित्य मल्होत्रा।

बारिश के कारण भारत-इंग्लैंड पहला टी20 मैच रद्द, अभिषेक और श्रेयस के अर्धशतक बेकार

एजेंसी, चेस्टर-ले-स्ट्रीट

भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार को खेला गया पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए, लेकिन लगातार बारिश के चलते इंग्लैंड की पारी शुरू ही नहीं हो सकी। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों पर 59 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 47 गेंदों में 68 रन बनाए। अंत में शिवम दुबे ने 21 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारत की शुरुआत खराब रही। संजू सैमसन (1) और ईशान किशन (0) जल्दी आउट हो गए, लेकिन अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इंग्लैंड के खिलाफ किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज टी20 अर्धशतक बनाया।

अभिषेक सबसे तेज 100 टी-20 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

अभिषेक शर्मा टी-20 में सबसे कम गेंद में 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 4 छक्के लगाए। अभिषेक ने 785 गेंद में 100 छक्के पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज के ईविन लुईस के 789 गेंद का रिकॉर्ड तोड़ा।

श्रेयस ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

श्रेयस इंग्लैंड में जाकर टी-20 में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 68 रन बनाए। यह इंग्लैंड के मैदान पर टी-20 में किसी भारतीय कप्तान की सबसे बड़ी पारी है। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने 2018 में कार्डिफ के मैदान पर 47 रन बनाए थे।

टैलेंट सर्च 2026-27 बना खेल प्रतिभाओं का महाअभियान

खेल संवाददाता, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च 2026-27 प्रदेश की नई खेल प्रतिभाओं को तलाशने का बड़ा अभियान बनकर उभरा है। राज्यभर में आयोजित चयन ट्रायल्स में हजारों बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। इस अभियान के माध्यम से चयनित खिलाड़ियों को राज्य खेल अकादमियों में आधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में शूटिंग, पुरुष एवं महिला हॉकी, स्लालम, बैडमिंटन, घुड़सवारी, तीरंदाजी, जूडो, रोइंग, कुश्ती और फेंसिंग सहित कई खेलों के चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। चयन प्रक्रिया अनुभवी प्रशिक्षकों और विशेषज्ञ चयनकर्ताओं की निगरानी में निर्धारित मानकों के अनुसार संपन्न की जा रही है, जिसमें खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता और खेल कौशल का मूल्यांकन किया जा रहा है।

श्रीकांत रिटायर हुए, अकर्षी और तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

कनाडा। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे। पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया। महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा।

एमपीसीए इमर्जिंग टीम में अनिमेष सिंह का चयन, जम्मू-कश्मीर के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेंगे

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाफ श्रीनगर में होने वाले अभ्यास मैचों के लिए इमर्जिंग टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में भोपाल की विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी के उभरते तेज गेंदबाज अनिमेष सिंह का चयन हुआ है। यह दौरा 7 से 21 जुलाई 2026 तक चलेगा, जिसमें मध्यप्रदेश की टीम चार अभ्यास मैच खेलेगी। चयन के बाद अनिमेष सिंह ने मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता,

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। इस दौरान मंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आत्मविश्वास और पूरी मेहनत के साथ प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि प्रदेश में खेलों के लिए बेहतर माहौल तैयार किया जा रहा है। खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर खेल अधोसंरचना और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे मध्यप्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। एमपीसीए इमर्जिंग टीम में भोपाल के चार खिलाड़ियों को जगह मिली है। इनमें अनिमेष सिंह, पृथ्वीराज सिंह तोमर, तनिष्क यादव और तनमय पांडे शामिल हैं। पहले दो अभ्यास मैचों के लिए खिलाड़ियों को 3 जुलाई को होलकर स्टेडियम, इंदौर में रिपोर्ट करना होगा, जबकि अंतिम दो मैचों के लिए 12 जुलाई को रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

उपद्रवियों पर आसमान से आंसू गैस के गोले बरसाएगी पुलिस

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने और उपद्रवियों को सबक सिखाने के लिए पहली बार हाईटेक ड्रोन खरीदने जा रही है। ये ड्रोन दंगा, उपद्रव और हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवा से आंसू गैस के गोले छोड़ सकेंगे।

पहले चरण में प्रदेश के 40 जिलों को एक-एक ड्रोन मिलेगा, जबकि बाकी 15 जिलों को जरूरत पड़ने पर निकटवर्ती जिलों से सहायता दी जाएगी। दरअसल कानून-व्यवस्था की चुनौतीपूर्ण स्थितियों से निपटने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस अब अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने जा रही है। दंगा, उपद्रव और हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस पहली बार ऐसे हाईटेक ड्रोन खरीदेगी, जो जरूरत पड़ने पर हवा से ही आंसू गैस के गोले छोड़ सकेंगे।

घटेगा पुलिसकर्मियों की सुरक्षा का जोखिम नई तकनीक के इस्तेमाल से पुलिसकर्मियों को सीधे उपद्रवी भीड़ के बीच जाने की जरूरत कम होगी।

इससे पथराव और हिंसक हमलों में पुलिसकर्मियों के घायल होने की आशंका भी काफी कम हो जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के 40 जिलों के लिए विशेष ड्रोन खरीदने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रत्येक ड्रोन की अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये होगी। इनकी खरीद बीएसएफ टेकनपुर के माध्यम से की जाएगी।

लाइव निगरानी के साथ होगी सटीक कार्रवाई

इन ड्रोन में अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे, जो उपद्रव प्रभावित क्षेत्र की लाइव निगरानी करेंगे। कंट्रोल रूम में मौजूद पुलिस अधिकारी वास्तविक समय में देख सकेंगे कि किस स्थान पर भीड़ सबसे ज्यादा उग्र है और आंसू गैस के गोले कहां छोड़ने से सबसे अधिक असर होगा। लाइव निगरानी के बाद ड्रोन के जरिए सुरक्षित दूरी से आंसू गैस के गोले छोड़े जाएंगे। इससे भीड़ को नियंत्रित करने की कार्रवाई अधिक प्रभावी और सुरक्षित होगी।

दो से तीन महीने में मिल सकते हैं ड्रोन

पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अगले दो से तीन महीने के भीतर ये ड्रोन पुलिस को मिलने की संभावना है। देश के कुछ अन्य राज्यों में इस तरह की तकनीक का पहले से इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन मध्य प्रदेश में पहली बार आंसू गैस छोड़ने वाले हाईटेक ड्रोन पुलिस बल का हिस्सा

यासीन मलिक के उपद्रव मामले में टीआई पर 50 हजार अर्थदंड

एफआईआर में देरी और लापरवाही पर कार्रवाई

भोपाल (नगर संवाददाता)

जिला बदर बदमाश को संरक्षण देने के भी आरोप

कोहेफिजा इलाके की पॉश कॉलोनी रिगालिया हाइट्स में जिला बदर बदमाश यासीन मलिक द्वारा दहशत फैलाने के मामले में पुलिस कमिश्नर ने लापरवाही बरतने पर कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला पर 50 हजार रुपये और हवलदार रामभरत सुमन पर 5 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

पुलिस के अनुसार, कुख्यात बदमाश रहे मुख्तार मलिक का बेटा यासीन मलिक जिला बदर होने के बावजूद भोपाल में

बताया जा रहा है कि पहले यासीन मलिक के खिलाफ जिलाबदर आदेश के उल्लंघन की कार्रवाई कर उसे जेल भेजा गया।

इसके तीन दिन बाद यासीन मलिक, उसकी बहन फरहा और अन्य आरोपियों के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट, बलवा और तोडफ़ोड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

सूत्रों के अनुसार, यासीन मलिक की गतिविधियों की जानकारी देने वाले मुखबिर को भी थाना स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। बाद में मामला पुलिस कमिश्नर तक पहुंचने पर तत्काल

अल्प वर्षा की स्थिति से निपटने हर जिले में बनेगी जल संकट आकस्मिक योजना

मुख्यमंत्री ने संभावित अल्प वर्षा की स्थिति से निपटने पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

सीएम ने कहा- संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को चुनौती नहीं, अवसर के रूप में लें

भोपाल (नगर संवाददाता)

संभावित अल्प वर्षा की चेतावनी ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सरकार ने इसके विपरीत प्रभावों से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए दो साल का प्लान तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों से कहा कि संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को चुनौती नहीं, बल्कि बेहतर योजना, वैज्ञानिक खेती और समयबद्ध तैयारी के अवसर के रूप में लिया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों को समय पर जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं, जिससे प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने कहा कि रियल-टाइम मॉनिटरिंग एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड बनाए जाएं। साथ ही प्रत्येक जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जल संकट आकस्मिक योजना बनाई जाए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मंत्रालय में इस वर्ष प्रदेश में संभावित अल्प वर्षा की स्थिति के मद्देनज़र कृषि, जल संसाधन, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य संबंधित विभागों की अब तक की पूर्व तैयारियों की गहन समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश का प्रत्येक किसान मौसम की चुनौतियों का सामना वैज्ञानिक सोच और उचित तैयारी के साथ करे।

यह है अगले दो वर्षों की तैयारी

- सभी नगरीय निकायों में वैकल्पिक स्रोतों का चिन्हांकन एवं टैंकर व्यवस्था की योजना तैयार कर अमृत 2.0 के अंतर्गत जल प्रदाय योजनाओं का समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की ग्रामवार समीक्षा, बंद/अपूर्ण नल-जल योजनाओं की मरम्मत का 90 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा।
- भूजल पुनर्भरण अभियान के तहत सभी विकासखंडों में रिचार्ज शाफ्ट, चेक डैम, स्टॉप डैम एवं खेत-तालाब निर्माण का मिशन मोड कार्यक्रम चलाया जाएगा।
- कम जल मांग वाली फसलों यथा दलहन, तिलहन, श्रीअन्न (मोटे अनाज) प्रोत्साहन एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन, ग्रीष्मकालीन धान/मूंग पर जल उपलब्धता आधारित सलाह, धान क्षेत्रों में सीधी बुवाई एवं वैकल्पिक गीला-सूखा पद्धति एवं प्रत्येक जिले के लिए कंटिन्जेंसी क्रॉप प्लान तैयार किया जा रहा है।
- जल विद्युत एवं जलाशय प्रबंधन के तहत सभी प्रमुख बांधों के लिए रूल कर्व का कड़ाई से पालन; जल उपयोग की प्राथमिकता दी जाएगी। जन-जागरूकता महाअभियान जल गंगा संवर्धन की तर्ज पर जनभागीदारी आधारित सतत अभियान चलाए जाएंगे।
- आरबीसी 6 (4) अंतर्गत क्षति सर्वे के लिए राजस्व, कृषि एवं पंचायत अमले का संयुक्त प्रशिक्षण अभी से पूर्ण; डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं सैटेलाइट इमेजरी आधारित क्षति आंकलन प्रणाली का सत्यापन कराया जाएगा। फसल बीमा का कवरेज विस्तार एवं दावा तत्परता से हो, इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका मिशन का शुभारंभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका सृजन एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [VB- G RAM- G] का गुरुवार को प्रदेशभर में उत्साहपूर्ण शुभारंभ किया गया।

सभी जिलों में जन सम्मेलन आयोजित हजारों नागरिकों ने की सहभागिता

इस अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन द्वारा जन सम्मेलन-सह-लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किए गए। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति के ओबुलवारिपल्ले मंडल स्थित मुक्कावरिपल्ली ग्राम में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [VB- G RAM- G] का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया। वहीं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने संस्कारधानी जबलपुर में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन का राज्य स्तर पर जन सम्मेलन-सह-लॉन्च किया। कार्यक्रम में उन्होंने योजना के विभिन्न आयामों व जन-कल्याणकारी नीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की।

2,548 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के पदों पर होगी भर्ती

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्य सरकार ने प्रदेश की विभिन्न बाल विकास परियोजनाओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की बड़े पैमाने पर भर्ती करने का निर्णय लिया है। राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 2,548 पदों पर योग्य महिला अभ्यर्थियों की नियुक्तियां की जाएंगी।

भर्ती में स्थानीय पात्रताधारियों को प्राथमिकता मिलेगी। कुल रिक्तियों में से 781 पद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए और 1,767 पद आंगनबाड़ी सहायिकाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। नियमों के मुताबिक आवेदिका का उसी राजस्व ग्राम या शहरी वार्ड का निवासी होना अनिवार्य है, जहां का पद रिक्त है। किसी अन्य ग्राम या वार्ड की महिला इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र नहीं मानी जाएगी। इससे स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता मिलने से मैदानी स्तर पर सेवाओं का कुशल संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। इसमें एमपी ऑनलाइन के माध्यम से ही आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इच्छुक महिला अभ्यर्थी चयन पोर्टल (https// chayan. mpon-line. gov. in) पर जाकर 1 जुलाई से अपने आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा कर सकती हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि भरे गए फॉर्म में किसी भी प्रकार के त्रुटि सुधार के लिए 15 जुलाई तक का समय दिया जाएगा।

न्यूनतम योग्यता हायर सेकंडरी आयु सीमा 18-35 वर्ष तय

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा के मापदंडों के अनुसार दोनों ही पदों के लिए आवेदिकाओं का 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अन्य राज्यों या अशासकीय बोर्डों की अंकसूचियों को तभी मान्यता दी जाएगी, जब वे माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र की समकक्षता सूची में शामिल हों। साथ ही 1 जनवरी, 2026 की स्थिति में आवेदिका की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होना आवश्यक है, जिसकी पुष्टि के लिए 10वीं बोर्ड की अंकसूची संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन के दौरान सभी आवश्यक प्रमाण-पत्र पीडीएफ प्रारूप में अपलोड करने होंगे, जिसके लिए निर्धारित शुल्क 100 रुपए और 18 प्रतिशत जीएसटी तय किया गया है।

राजधानी में संचालित हो रही 2 हजार आंगनवाड़ियां

किराये के कमरे में चल रहीं 700 आंगनवाड़ी

स्कूलों से जोड़ने की योजना कागजों तक सीमित

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल जिले की करीब दो हजार आंगनवाड़ियों में से केवल 34 केंद्र ही सरकारी स्कूल परिसरों में संचालित हो रहे हैं, जबकि लगभग 700 आंगनवाड़ियां आज भी किराये के भवनों से संचालित की जा रही हैं। राजधानी में आंगनवाड़ियों को शासकीय स्कूल परिसरों में संचालित करने की योजना को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। इससे योजना के क्रियान्वयन की गति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।आंगनवाड़ियों को स्कूल परिसरों में संचालित करने का उद्देश्य बच्चों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। स्कूलों में संचालित होने पर बच्चों को स्वच्छ पेयजल, शौचालय, खेल मैदान, सुरक्षित भवन और विद्यालय के शैक्षणिक माहौल का लाभ मिल सकता है। साथ ही प्राथमिक शिक्षा से पहले ही बच्चों में स्कूल से जुड़ाव विकसित होता है, जिससे आगे की पढ़ाई में भी आसानी रहती है।

आंगनवाड़ियों में नहीं हैं कोई सुविधाएं

अधिकांश आंगनवाड़ियां अब भी किराये के भवनों में संचालित हो रही हैं। इससे न केवल बच्चों को बेहतर सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है, बल्कि कई केंद्रों में जगह और आधारभूत सुविधाओं की कमी भी बनी हुई है।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सभी आंगनवाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से शासकीय स्कूल परिसरों में स्थानांतरित किया जाए तो बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय मजबूत होगा।

कलेक्टर ने लगाई फटकार

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बैठक में जिला महिला बाल विकास अधिकारी को फटकार लगाते हुए कहा भी है कि किराये के भवनों में चलने वाली सभी आंगनवाड़ियां शासकीय स्कूलो में लगाई जानी चाहिए। अभी तक यह क्यों नहीं हो पाया। कलेक्टर ने कहा कि इस पर जल्द ही काम किया जाए। जर्जर आंगनवाड़ियों को जल्द ही खाली कराया जाए, जिससे कोई अप्रिय घटना न हो।

आंगनवाड़ी में होंगी भर्तियां

मप्र के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर की आंगनबाड़ियों में 2548 पदों पर कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भर्ती की जाएगी। विभाग ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 781 और सहायिका के 1767 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह भर्ती बाल विकास परियोजनाओं में होगी और इसमें संबंधित गांव या शहरी वार्ड की स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन 13 जुलाई तक ऑनलाइन किए जा सकेंगे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पद पर आवेदन के लिए ऑफ लाइन आवेदन नहीं किए जाएंगे। यह पूरी तरह ऑनलाइन होगा। सौ रुपये शुल्क के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी भी देना होगा। आवेदन में गलती होने पर 15 जुलाई इसे सुधारा जा सकेगा। भर्ती में पारदर्शिता और स्थानीय प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता दी गई है।

सांची पार्लर संचालक पर जानलेवा हमला

भोपाल। कटारा हिल्स क्षेत्र में सांची पार्लर संचालक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक की पहचान मोहित के रूप में हुई है। घटना बुधवार रात करीब 10 बजे कटारा टॉवर के पास हुई। पुलिस के अनुसार वारदात से करीब आधा घंटा पहले मोहित ने दुकान के सामने झगड़ रहे सगे भाइयों करन और पंचू के बीच हस्तक्षेप कर विवाद शांत कराया था। इसी बात से नाराज करन ने उन्हें सबक सिखाने की धमकी दी थी। रात में जब मोहित अपनी दुकान बंद कर रहे थे, तभी करन पीछे से कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा और उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में मोहित के नाक, कान और आंखों के बीच गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल माउंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

लहारपुर निवासी दिनेश प्रताप सिंह चौहान की शिकायत पर पुलिस ने करन और पंचू के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

पंद्रह लाख के जेवर और नकदी बटोर ले गए चोर

एक दिन में चार वारदातों को दिया अंजाम

भोपाल (नगर संवाददाता)

बीते चौबीस घंटों के दौरान चोरी की चार प्रमुख वारदातें हुई हैं। इसमें भोपाल रेलवे स्टेशन में यात्री का नकदी से भरा बैग चोरी हो गया। वहीं सागर पब्लिक स्कूल के सामने से नकदी दो लाख रुपए समेत अन्य माल कार से चोर उठा ले गए। जबकि भोपाल नगर निगम की फॉगिंग मशीन वाहन को चोर उठा ले गए। चोरी गई सारी संपत्ति लगभग पंद्रह लाख रुपए की है।

भोपाल जीआरपी पुलिस के अनुसार 49 वर्षीय रविंद्र कुमार यादव का बैग नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच से चोरी हो गया। वे भारतीय रेलवे में वे मुख्य टिकट निरीक्षक हैं। फिलहाल रतलाम डिवीजन में तैनात है। बैग में उनका सरकारी कोट जिसमें नेम प्लेट थी, नकदी, रेलवे के दस्तावेज रखे थे। दूसरी घटना भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह में 59 वर्षीय पंचमुथु एस के साथ हुई। वे तमिलनाडू के सेलम जिले में रहते हैं। वे भोपाल रिश्तेदारी में आए थे। वह बेटों के साथ जयपुर-चैन्नई एक्सप्रेस के एस-2 कोच में सवार होने स्टेशन पर पहुंचे थे। ट्रेन आने में समय था इसलिए बैग सिरहाने में रखकर प्लेटफॉर्म नंबर छह पर सो गए। कुछ देर बाद वह गायब हो गया। बैग के भीतर साढ़े तीन लाख रुपए, मोबाइल व अन्य सामान था।

बेटी को कक्षा में बैठाने गए थे दंपति

इधर, बागसेवनिया थाना पुलिस के अनुसार 46 वर्षीय डॉक्टर आदित्य पाठक की होंडा कार से नकदी तीन लाख रुपए, टेबलेट, डेल कंपनी का लैपटॉप, एटीएम कार्ड, पर्स समेत अन्य सामान चोरी चला गया। वे अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित आधार शिला कॉलोनी में रहते हैं। वारदात सोमवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे हुई। डॉक्टर आदित्य पाठक पत्नी डॉक्टर अदिति पाठक के साथ क्लीनिक चलाते हैं। दंपति सागर पब्लिक स्कूल में बेटी अद्विता को छोड़ने गए थे। वह स्कूल जाने के लिए नहीं मान रही थी। दोनों मनाकर उसे दस मिनट बाद वापस कार में लौटे तो सामान गायब था। जांच के दौरान वारदात करने वाला एक व्यक्ति सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दिया है।

वाहन चालक ने घर के पास खड़ा किया वाहन

चोरी की चौथी वारदात टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र में हुई। यहां भोपाल नगर निगम का फॉगिंग के काम आने वाला वाहन एमपी 04 डीबी1284 चोरी चला गया। वह इससे पहले गोविंदपुरा स्थित एसके इंडस्ट्रीज में रिपेयरिंग होने के लिए डाला गया था। पुलिस का कहना है कि वाहन इतना ज्यादा कीमती नहीं है। क्योंकि वह 2013 मॉडल का है। महिंद्रा अल्फा कंपनी के लोडिंग वाहन को रिमोल्ड करके निगम ने उसे फॉगिंग मशीन में बदला है। पुलिस ने उसके ड्रायवर 37 वर्षीय एहतेशाम अहमद की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। वारदात को अंजाम देने वाले संदेही का पता लगाने सीसीटीवी खंगालने का काम पुलिस कर रही है।

राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का मंत्री विश्वास सारंग ने किया शुभारंभ

'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की अहम भूमिका

भोपाल (नगर संवाददाता)

सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सहकारी सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को भोपाल में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का शुभारंभ सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह प्रदर्शनी सहकारी संस्थाओं के उत्पादों, नवाचारों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगी।

चार जुलाई तक चलेगी प्रदर्शनी... प्रदर्शनी में सांची, मार्कफेड, इफको, कृभको, नेफेड, अपेक्स बैंक, नाबार्ड सहित अनेक सहकारी संस्थाओं ने कृषि, दुग्ध, बीज, उर्वरक, बैंकिंग, हस्तशिल्प, सौर ऊर्जा और ग्रामीण आजीविका से जुड़े उत्पाद एवं सेवाएं प्रदर्शित की हैं। यह राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 4 जुलाई तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। प्रबंध संचालक अभिजीत अग्रवाल, मनोज गुप्ता, महेंद्र दीक्षित सहित विभागों एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

सहकारिता से मिलेगा आर्थिक सशक्तिकरण

सारंग ने कहा कि सहकारिता किसानों, महिलाओं, युवाओं, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम है। सहकारी संस्थाओं को नए बाजार उपलब्ध कराने, स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने संस्थाओं से गुणवत्ता, नवाचार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने का आह्वान भी किया।

स्टॉलों का किया अवलोकन

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और फीता काटकर हुई। मंत्री ने विभिन्न सहकारी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों और उत्पादक संगठनों के स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान हस्तशिल्प कारीगरों और महिला स्व-सहायता समूहों को सिलाई मशीन, टूल किट तथा अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। साथ ही परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

काली पट्टी बांधकर सरकारी कॉलेजों के प्राध्यापकों ने किया प्रदर्शन

- मंत्री विश्वास सारंग से मिलकर दिया ज्ञापन
- लंबित मागें पूरी ना होने पर विरोध कराया दर्ज

भोपाल (नगर संवाददाता)

लंबित मांगों के निराकरण को लेकर मध्यप्रदेश के 550 से अधिक शासकीय महाविद्यालयों के 3500 से अधिक प्राध्यापक काली पट्टी बांधकर सांकेतिक प्रदर्शन करते हुए काम कर रहे हैं।

प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ के आह्वान पर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के साथ प्राध्यपकों ने आंदोलन शुरू किया है। कॉलेजों में सुबह से ही प्राध्यापकों ने नियमित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया।

इसके बाद गुरुवार को संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ आनंद शर्मा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ राजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री विश्वास सारंग और विधायक रामेश्वर शर्मा से मिले। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को मांगों का यथोचित निराकरण करने का आश्वासन दिया।

शैक्षणिक कार्य बाधित नहीं : संघ के उपाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि प्राध्यापकों का आंदोलन विद्यार्थियों के हितों को प्रभावित किए बिना संचालित हो रहा है। कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। महाविद्यालय की समस्त शैक्षणिक गतिविधियां पूर्ववत जारी हैं। उन्होंने कहा कि यदि शासन स्तर पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो प्राध्यापक आंदोलन का दूसरा चरण शुरू करेगा।

ये हैं मांग : वर्ष 2004 एवं 2006 में नियुक्त बैकलॉग सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि नियुक्ति तिथि से दो वर्ष पश्चात समाप्त मानते हुए उन्हें समयानुसार कैरियर का लाभ दी जाए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)